RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 153 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, मंगलवार 22 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

महंगाई का डबल डोज: पेट्रोल-डीजल के बाद बढ़े रसोई गैस के दाम

दाम बढ़ने के पीछे रूस-यूक्रेन युद्ध का असर

रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में 40 फीसदी तक का उछाल आ गया है। जिससे ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए इंधन का दाम बढ़ाना जरूरी हो गया था और इसी वजह से मंगलवार की सुबह से पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम बढ़ गए।

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार की सुबह आम लोगों के लिए झटका देने वाला रहा। सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 80 पैसे की बढ़ोतरी के बाद रसोई गैस की कीमतों में भी 50 रुपये की वृद्धि कर दी गई है। यानी कि 14.2 किग्रा सिलेंडर के लिए दिल्ली में 949.50 रुपये भुगतान करने होंगे। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। बता दें कि आखिरी बार 6 अक्तूबर को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि हुई थी।

पेट्रोल-डीजल के दाम भी बढ़े

देश में पेट्रोल डीजल के दाम चार माह बाद बढ़ गए हैं। मंगलवार सुबह से डीजल के दामों में 76 से 86 पैसे की बढोतरी हुई है। तो वहीं पेट्रोल के दामों में 76 से 84 पैसों की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.21 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 87.47 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। पिछले वर्ष 4 नवंबर के बाद से इन दोनों ईंधन के मूल्य में कोई वृद्धि नहीं की गई थी।

बलौदा बाजार में दो बच्चों की हत्या, हत्यारों ने खेतों में फेंके शव, दो दिन से थे लापता

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदा बाजार। जिले में दो बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्यारों ने दोनों बच्चों की हत्या कर उनके शव खेतों में फेंक दिए। सुबह ग्रामीणों ने देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों बच्चे पिछले दो दिनों से लापता थे। घटना कसडोल थाना क्षेत्र का है। पुलिस हत्यारों की तलाश में जुट गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक बलौदाबाजार जिले के कसडोल थाना अंतर्गत चकरबाय गांव निवासी लवेंद्र (6) तथा शौर्य चेलक (7) दो दिन से लापता थे। दोनों के लापता होने की शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। दोनों बच्चों के घर अगल बगल में हैं। दोनों बच्चे घर के पास खेल रहे थे तो घर वालों ने भी इस दौरान ध्यान नहीं दिया। जब घर वालों ने देखा बच्चे बाहर नहीं हैं तो खोजबीन शुरू की गई। लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका जिसके बाद घरवालों ने शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के पास पहुंची शिकायत

दोनों बच्चों की काफी तलाश की गई। दोनों बच्चों को परिचितों व आसपास के रिश्तेदारों घर पर खोजा गया लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद सोमवार को भी दिनभर बच्चों की तलाश में परिजन भटकते रहे लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। इस दौरान परिजनों का बुराहाल था। वहीं मंगलवार सुबह खेतों में दो बच्चों के शव मिलने की सूचना मिली।

परिजनों ने की बच्चों की शिनाख्त

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं दोनों बच्चों के परिजनों को भी मौके पर बुलाया गया। दोनों बच्चों के शव खून से लतपथ पड़े थे। दोनों बच्चों के सिर पर पत्थर या किसी भारी चीज से वार के निशान हैं। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शवों की शिनाख्त की। फिलहाल शवों को पीएम के लिए भेजा गया है। पुलिस सकते में हैं कि बच्चों से किसी की क्या दुश्मनी हो सकती है जो इतनी क्रुरता से इनकी हत्या की गई। फिलहाल पुलिस जांच में जुट गई है।

खास-खबर

फिर हिंसा की आग में बंगाल, तृणमूल कांग्रेस नेता की हत्या के बाद फूंके घर, 10 लोग जिंदा जले

कोलकाता (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा झेलने वाले बंगाल में एक बार फिर से वही दौर शुरू होता दिख रहा है। सोमवार को टीएमसी के एक पंचायत नेता की हत्या के बाद भड़की हिंसा में 10 लोगों की मौत की खबर है। इन लोगों के घरों को आग लगा दी गई थी, जिसमें वे जिंदा जलकर मर गए। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की भी खबर है। पुलिस ने कहा कि बीरभूम जिले की बारशल ग्राम पंचायत के उप-प्रधान भादू शेख की सोमवार को हत्या कर दी गई थी। उसके बाद ही रात को यह आगजनी कांड हुआ, जिसमें 10 लोग जिंदा जल गए। भादू शेख बोगतुई गांव के रहने वाले थे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह आगजनी टीएमसी के एक गुट के सदस्यों की ओर से की गई है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज किया है। बीरभूम जिले के टीएमसी के अध्यक्ष अनुब्रत मंडल ने मंगलवार दोपहर को दावा किया कि यह आग हिंसा के दौरान नहीं लगाई गई है। उन्होंने कहा कि यह आगजनी शॉर्ट सर्किट के चलते हुई थी और उसी की वजह से घरों में आग लग गई। टीएमसी कार्यकर्ताओं की ओर से हमले की बात को खारिज करते हुए मंडल ने कहा, 'शॉर्ट सर्किट के चलते लोगों के घरों में आग लग गई थी और उससे ही मौतें हुई हैं। सोमवार की रात को कोई हिंसा नहीं हुई थी।'

प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने महिलाओं ने निकाली रैली

महापौर नीरज पाल के निर्देशानुसार स्वच्छता प्रभारी लक्ष्मीपति राजू ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने के अभियान में आज महिलाओं ने हिस्सा लिया। भिलाई निगम क्षेत्र की महिलाएं बड़ी संख्या में पावरहाउस मार्केट में रैली निकालकर नागरिको और व्यापारियों को सिंगल यूज्ड प्लास्टिक छोड़ने का आव्हान किए। इस दौरान प्लास्टिक हटाओ धरती बचाओ, प्लास्टिक को हटाना है, पर्यावरण को बचाना है जैसे नारे लगाते हुए बैनर पोस्टर के साथ सर्कुलर मार्केट में निकली महिलाओं की रैली को महापौर नीरज पाल के निर्देश पर निगम के स्वच्छता विभाग के प्रभारी लक्ष्मीपति राजू हरी झंडी दिखाकर रवाना किये और रैली में साथ चलकर व्यापारियों को सिंगल यूज्ड प्लास्टिक छोड़ने अपील किये।

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में प्रतिबंधित सिंगल यूज्ड प्लास्टिक के रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। भिलाई निगम प्रशासन द्वारा प्लास्टिक मुक्त भिलाई के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्य के लिए निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे जी के निर्देश पर पृथक से टीम गठित किया गया है जो समय समय पर किसी भी वक्त शहर के प्रमुख मार्केट पर प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के यहां छापामार कर अर्थदण्ड वसूलने एवं सामग्री जप्त बनाने की कार्रवाई करते रहते है।

इसी दिशा में निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के महिलाओं द्वारा आज रैली निकालकर प्लास्टिक का उपयोग को छोड़ने के लिए नागरिको को प्रेरित किए। शाम 4 बजे से लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट और पावर हाउस मार्केट में रैली के दौरान महिलाओं ने एक ही लक्ष्य बनाना है प्लास्टिक को हटाना है,, प्लास्टिक प्रदूषण को उखाड़ना है कपड़े और जूट के बैग को अपनाना है जैसे नारो के साथ मार्केट के प्रमुख मार्गो से रैली निकालकर नागरिको और व्यापारियों से अपील किये कि सिंगल यूज्ड प्लास्टिक का उपयोग एवं विक्रय को प्रतिबंध करे।

रैली में महिलाओं ने बाजार में आए नागरिको एवं व्यापारियों को प्लास्टिक के माध्यम से हमारे शरीर में पड़ने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दिये और बताये कि प्लास्टिक सड़ता है न गलता है इसकी बहुतायात मात्रा में उपयोग किए जाने से प्लास्टिक का कचरा भी बेतरतीब तरीके से फैलता है जिससे शहर में गंदगी बढ़ती है, प्लास्टिक का उपयोग स्वच्छता एवं पर्यावरण की दृष्टि से काफी हानिकारक है।

कोरोना की कैद से बाहर निकलता छत्तीसगढ़, 19 जिलों में नहीं मिले कोई मरीज, प्रदेश में एक्टिव केस 132

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की तीसरी लहर का संक्रमण बहुत तेजी कम गया। पॉजिटिविटी दर भी 1 प्रतिशत से नीचे है। सोमवार को मात्र 22 नए केस मिले। प्रदेश के 19 जिलों में कोरोना का एक भी मामला सामने नहीं आया। राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर डेढ़ सौ से कम हो गई है। इस महामारी से अब तक प्रदेश में 14 हजार 34 लोगों की जान भी जा चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग के राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को प्रदेश में 22 नए केस मिले हैं, जिसमें सरगुजा एवं बीजापुर में 5-5, बलरामपुर में 3, दुर्ग, रायपुर व रायगढ़ में 2-2, बालोद, बिलासपुर व बस्तर में 1-1 नए केस मिले हैं। प्रदेश के 19 जिलों में एक भी मामला सामने नहीं आया। वहीं 9 जिलों में 1 से 5 के बीच मरीज मिले हैं। बड़ी संख्या में मरीजों के स्वस्थ होने से सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 132 हो गई है।

प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 0.16 प्रतिशत

सोमवार को 13 हजार 468 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 22 मरीज मिले हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर घटकर 0.16 प्रतिशत हो गई है। हॉस्पिटल से 3 लोग डिस्चार्ज हुए तो वहीं 28 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या में तेजी से कमी आई है। टीकाकरण भी तेजी से हुआ है, जिसकी वजह से कोरोना ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाया।

अब शहीदी दिवस पर छुट्टी: 23 मार्च को अवकाश, मुख्यमंत्री ने विधानसभा में किया एलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अब 23 मार्च को शहीदी दिवस पर अवकाश रहेगा। विधानसभा सत्र के अंतिम दिन मंगलवार को सीएम भगवंत मान ने यह एलान किया। सीएम ने स्कूलों-कॉलेजों के बच्चों और उनके अध्यापकों को हुसैनीवाला और खटकड़कलां पहुंच कर इतिहास की जानकारी हासिल करने को कहा।

कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने 23 मार्च को अवकाश को गैरजरूरी बताया तो मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि आप बता सकते हैं कि शहीद भगत सिंह का जन्मदिन कब है? राजा वड़िंग जवाब नहीं दे सके तो मुख्यमंत्री ने बताया कि 28 सितंबर को भगत सिंह का जन्मदिवस होता है। नई पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने के लिए ही फैसला लिया गया है।

सीएम भगवंत मान ने विधानसभा में शहीद-ए-आजम भगत सिंह और बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमाएं लगाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने मंजूरी दे दी। महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा भी विधानसभा में लगेगी। सदन में ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित किया गया है। कांग्रेस के विधायक प्रताप बाजवा ने महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा लगाने की मांग की थी।

अगले सत्र में होगी राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस

अंतिम दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर बहस विधानसभा के अगले सत्र तक टाल दी गई।मुख्यमंत्री और संसदीय मामलों के मंत्री भगवंत मान ने यह कहते हुए प्रस्ताव रखा कि सदन में ज्यादातर सदस्य नए हैं और पहली बार चुनकर आए हैं, इसलिए उन्हें सदन में अपनी बात रखने के लिए व्यापक अध्ययन करने के लिए समय चाहिए। इसके बाद स्पीकर ने प्रस्ताव को मंजूरी दी।

विमान हादसा : 20 घंटे बाद भी कोई जिंदा नहीं मिला, 132 लोग सवार थे

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में सोमवार को हुए बड़े विमान हादसे के 20 घंटे बाद भी कोई यात्री या चालक दल का सदस्य जीवित नहीं मिला है। देश में एक दशक के इस सबसे भयावह विमान हादसे में अब किसी के जिंदा बचने की उम्मीद बहुत कम है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। चायना ईस्टर्न एयरलाइंस का यह बोइंग 737-800 विमान गुआंग्शी में सोमवार दोपहर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसने कुनमिंग से उड़ान भरी थी और औद्योगिक शहर ग्वांगझू जा रहा था। फ्लाइट रडार से मिली जानकारी के मुताबिक इस दुर्भाग्यशाली विमान ने स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजकर 11 मिनट पर कुनमिंग एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। यह दोपहर दो बजकर 20 मिनट पर यह 29,100 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। करीब 2.20 बजे इससे संपर्क टूट गया था।

घटना स्थल पर चीन की राहत व बचाव टीमें पहुंच चुकी है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार विमान में सवार 132 लोगों में से अब तक कोई जीवित नहीं मिला है। यह चीन में करीब एक दशक के इतिहास की भीषण त्रासदी है।

हादसे के बाद विमान और जहां यह हादसे का शिकार हुआ उस पहाड़ी इलाके में भयावह आग लग गई थी। यह आग इतनी विकराल थी कि यह नासा के उपग्रहों के कैमरों में दर्ज हो गई। सीसीटीवी के अनुसार तस्वीरों में घटना स्थल पर मलबा दिखाई दे रहा है, लेकिन विमान में सवार लोगों या चालक दल में से किसी से संपर्क नहीं हो पा रहा है और नहीं कोई जीवित मिला है।

हादसे के तुरंत बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राहत व बचाव दल मौके पर भेजने के निर्देश दिए थे। जिनपिंग ने दुर्घटना पर हैरानी जताई। उन्होंने दुर्घटना के कारणों की जांच करने और नागरिक विमानन क्षेत्र में सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने के निर्देश दिए। बोइंग 737-800 को सबसे सुरक्षित विमान माना जाता है। एयरोस्पेस फर्म ने कहा है हमारे तकनीकी विशेषज्ञ चीन के नागरिक विमानन विभाग के नेतृत्व में जांच में सहायता के लिए तैयार हैं।

मनरेगा कार्यों में अनियमितता के आरोप में 15 कर्मचारी निलंबित, मंत्री ने विधानसभा में दी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरीबों की लाइफलाइन कही जाने वाली मनरेगा योजना में छत्तीसगढ़ में अनियमितता मिली है। इसके चलते कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई भी की गई है। छत्तीसगढ़ के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी एस सिंह देव ने सोमवार को राज्य में मरवाही वन संभाग में मनरेगा के तहत चलने वाले कामों में वित्तीय अनियमितता के आरोप में 15 कर्मचारियों को निलंबित करने की घोषणा की।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में कांग्रेस विधायक गुलाब कामरो ने आरोप लगाया था कि गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के मरवाही वन प्रभाग में मनरेगा के तहत पुलिया और स्टॉप डैम के निर्माण में घोर अनियमितता की गई है क्या इस पर कोई कार्रवाई होगी। इसके बाद मंत्री ने 15 कर्मचारियों को निलंबित करने बात कही।

कामरो ने कहा कि चुक्तिपानी, थडपाथरा, पकरिया, क्योंची, पड़वानिया और तराईगांव गांवों में 33 निर्माण कार्यों के लिए सामग्री के लिए छह करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि निर्माण किए बिना ही गायब हो गई। इसके जवाब में मंत्री ने कहा कि पिछले साल जुलाई में इस संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिसके बाद संबंधित जिला कलेक्टर ने मामले की समीक्षा की और उनकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की जांच के लिए चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था।

आगे विधानसभा में टीएस देव ने कहा कि जांच समिति ने 33 कार्यों की जांच की और मनरेगा के नियमों और दिशानिर्देशों के उल्लंघन के मामले का पता चला। इसके बाद जिला कलेक्टर से इस बारे में बात की गई और कलेक्टर ने भी तत्कालीन संभागीय वन अधिकारी को जांच में गड़बड़ पाया था।

जिला पंचायत सीईओ सहित 14 वन अधिकारियों और कर्मचारियों को किया निलंबित

जब विधायक कामरो ने आगे पूछा कि कथित अनियमितता में कितने अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे और यह जानना चाहा कि उनके खिलाफक्या कार्रवाई की गई है, तो मंत्री टीएस देव ने कहा कि मरवाही डीएफओ राकेश मिश्रा सहित 15 लोगों पर कार्रवाई की गई है।

इसके बाद, भाजपा सहित विपक्षी सदस्यों ने मांग की कि मंत्री अनियमितताओं के लिए दोषी पाए जाने वालों के निलंबन की घोषणा करें। इसके बाद मंत्री ने 14 वन अधिकारियों और कर्मचारियों और तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ को निलंबित करने की घोषणा की।

संपादकीय

मौसम और पानी

सब चकित हैं, मौसम अचानक बदल गया है। मार्च में ही अप्रैल जैसी गरमी का एहसास न केवल अध्ययन का विषय है, बल्कि संकेत है कि हम भी बदलते मौसम के प्रति पहले से कहीं ज्यादा सचेत हो जाएं। रविवार को मुंबई में जहां पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया, तो वहीं दिल्ली में इसने 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। राजधानी में न्यूनतम तापमान 21.2 था, इसका मतलब है, गरम कपड़ों की जरूरत अचानक से खत्म हो चुकी है। पंखे तेज चल पड़े हैं, उनके बिना बचैनी महसूस होने लगी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस वक्त पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश होती थी, तो ठंडी हवा नसीब होती थी, लेकिन इस बार वह विक्षोभ देखने में नहीं आया है। दिन साफहोने लगे हैं और सूरज तपने लगा है। चूंकि घरों की दीवारें अभी ठंडी हैं, इसलिए गरमी कुछ कम महसूस हो रही है, वरना तापमान ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। आमतौर पर मार्च के महीने में आठ मिलीमीटर तक बारिश हो जाती है, पर इस महीने दिल्ली बारिश के लिए तरस रही है।

> बड़े-बड़े शहर भी पेयजल के लिए तरसने लगे हैं। हमारे देश में भी अनेक शहरों के पास इतना पानी नहीं कि वे सभी लोगों को उनकी जरूरत भर का पानी दे सकें। हमें अपने आसपास पानी बचाने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करना होगा, दूर स्थित नदियां या जलाशय ज्यादा दिनों तक काम नहीं आएंगे।

इस महीने के आने वाले दिनों में भी मौसम विभाग को अनुमान है कि अधिकतम और न्यूनतम पारा कमोबेश यथावत ही रहेगा। इन दिनों न्यूनतम पारा को 15 डिग्री सेल्सियस तक होना चाहिए, लेकिन अब 20 डिग्री सेल्सियस के करीब चल रहा है। तेज धूप चुभेगी और लोग सिर छिपाने के लिए ठौर तलाशेंगे। मौसम बदलने का यह समय तरह-तरह के संक्रमण का भी समय हो सकता है, अत: सावधान रहने की जरूरत है। मौसमी बीमारियों का खतरा इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि हवा में प्रदूषण का स्तर भी ज्यादा है। ऐसा नहीं है कि गरमी कुछ ही क्षेत्रों तक सिमटी हुई हो, राजस्थान से बिहार तक अचानक बढ़ी गरमी की खूब चर्चा हो रही है। यह भी गौर करने की बात है कि विगत सप्ताह से अंटार्कटिका में भी तापमान रिकॉर्ड तोड़ रहा है। दुनिया के इस सबसे ठंडे स्थान पर तापमान सामान्य से 30 डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़कर माइनस 11 डिग्री सेल्सियस हो गया है। अंटार्कटिका में ऐसा कभी नहीं हुआ था, इससे वैज्ञानिकों में भी चिंता व्याप्त हो गई है। यह पृथ्वी और प्राकृतिक संसाधनों के बारे में गहराई से चिंतन का समय है। मौसम पर विचार इसलिए भी मौजूं है, क्योंकि आज दुनिया में जल दिवस भी मनाया जा रहा है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे जल की जरूरत भी बढ़ती जाएगी। प्रदूषण के विरुद्ध भी पानी एक महत्वपूर्ण उपचार या दवा का काम करता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि हमें विगत वर्षों से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जब भी मीठे पानी का ख्याल आता है, लोग नदियों, आर्द्रभूमि, झीलों या जलाशयों के बारे में सोचते हैं। हममें से बहुत से लोग पानी बर्बाद करते हुए यह भी ध्यान नहीं रखते हैं कि पृथ्वी पर पानी की कुल मात्रा में से 97.5 प्रतिशत खारा पानी है और केवल 2.5 प्रतिशत ही ताजा पानी है। मीठे पानी में से सिर्फ0.3 प्रतिशत सतह पर तरल रूप में है। इसलिए लोगों को यह बार-बार बताने की जरूरत है कि हमारी दुनिया में जल संरक्षण कितना जरूरी है। बड़े-बड़े शहर भी पेयजल के लिए तरसने लगे हैं। हमारे देश में भी अनेक शहरों के पास इतना पानी नहीं कि वे सभी लोगों को उनकी जरूरत भर का पानी दे सकें। हमें अपने आसपास पानी बचाने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करना होगा, दूर स्थित नदियां या जलाशय ज्यादा दिनों तक काम नहीं आएंगे।

जैविक खेती की ओर

पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को देखते हुए हमें अब जैविक कृषि पर पर्याप्त जोर देना चाहिए। अभी स्थिति यह है कि चाहकर भी आम आदमी रासायनिक खाद से मुक्त जैविक शाक-सब्जी सुलभता से नहीं खरीद सकता। आज जिस तरह से बीमारियां बढ़ रही हैं, सेहत को लेकर हर कोई सावधान रहना चाहता है। ऐसे में, सभी लोग जैविक खाद्य उत्पादों का सेवन करना चाहते हैं। इसी वजह से बजट में जैविक कृषि पर जोर देने की वकालत की गई थी। जब तक किसानों को जैविक कृषि के लिए सुविधाएं नहीं दी जाएंगी, या विपणन व्यवस्था दुरुस्त करते हुए उनको सरकारी सहायता नहीं दी जाएगी, तब तक रासायनिक खाद का प्रयोग उनके लिए अनिवार्य रहेगा। नशा मुक्ति की तरह सरकार को जैविक कृषि की तरफ गंभीरता दिखानी चाहिए। अगर हम अपने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ सकें, तो यह हरित क्रांति जैसे किसी आंदोलन का आगाज कहा जाएगा, जिसका कृषि-व्यवस्था पर दूरगामी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पवन शर्मा, पटना

> लाइफ इज ब्यूटीफुल की तो आलोचना भी इसलिए की गई कि उसने यातना और पीड़ा के उन बोझिल क्षणों में कुछ हल्के-फुल्के प्रसंगों के लिए भी गुंजाइश निकाल ली थी। इन बड़ी कृतियों के बरक्स द कश्मीर फाइल्स में सिर्फघृणा है, आक्रोश है और इनसे उपजने वाली प्रतिशोध की भावना है। मानो एक फिल्म ने देश को विभक्त कर दिया है। कुछ लोगों ने मांग की है कि देश में मुस्लिम संहार की घटनाओं पर भी फिल्में बनें। वे भूल जाते हैं कि बदले की भावना से निर्मित कोई भी कृति साधारण ही होगी।

रूपहले परदे से रह गई जो बातें

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

दुनिया की सबसे खूबसूरत फिल्में नरसंहार और उससे उपजे विस्थापन को लेकर बनी हैं। विस्थापन है भी ऐसा विषय, जो कहानी, कविता, नाटक, फिल्म- गरज यह कि रचनात्मकता की हर विधा के सर्जक के समक्ष चुनौती की तरह आता है। इस चुनौती को स्वीकार करने में अपने कुछ जोखिम भी हैं। बहुत कम रचनाकार, जिनमें फिल्म निर्माता भी शामिल हैं, इस परीक्षा में खरे उतरते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण नि:संगता का अभाव है, जिसकी अपेक्षा इस संवेदनशील विषय को रहती है। द कश्मीर फाइल्स, जो इन दिनों विवादों के घेरे में है, इसी नि:संगता की कमी के कारण एक औसत मुंबइया फिल्म बनकर रह गई है।

व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए 1993-94 के दौरान कश्मीर घाटी में नियुक्ति एक बड़ा सीखने वाला अनुभव था। जनवरी 1993 में जब मैं वहां पहुंचा, तब आतंकवाद अपने चरम पर था। दिसंबर 1989 में शुरू हुए पृथकतावादी आंदोलन ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। भारतीय राज्य का इतने बड़े शहरी आतंकवाद से पहला साक्षात्कार था और कई बार लगता कि नीतिकारों की समझ में भी नहीं आ रहा है कि उसका मुकाबला कैसे करें? कश्मीरी पंडितों के पलायन का बड़ा भाग संपन्न हो चुका था, पर अभी भी पुराने शहर के कुछ हिस्सों में इक्का-दुक्का पंडित परिवार जाने और रुकने के ऊहापोह में झूल रहे थे। मेरी एक परिचिता अपने पिता के साथ इसी तरह के एक घनी आबादी और पतली गलियों वाले इलाके में रहती थीं। हिंदी की इस महत्वपूर्ण कथा लेखिका के पिता वामपंथी राजनीति से जुड़े थे और उनका जीवट देखने लायक था। इस झंझावात में भी, जब उनके कई करीबी मारे जा चुके थे और उन्हें भी तरह-तरह की धमकियां मिल रही थीं, उन्होंने हब्बा कदल का अपना घर न छोड़ने की जिद-सी ठान रखी थी। उन्होंने कश्मीर की साझा संस्कृति, चुनाव में राज्य द्वारा की गई धांधलियों और कश्मीरी राजनीति में घुन की तरह लगे भ्रष्टाचार पर विस्तार से मुझे समझाया था। मुझसे मिलने आने में जोखिम था, इसलिए वे छिपकर मेरे पास आते, बेटी बुर्के में होती और दोनों एक लंबा रास्ता लेकर मुझ तक पहुंचते।

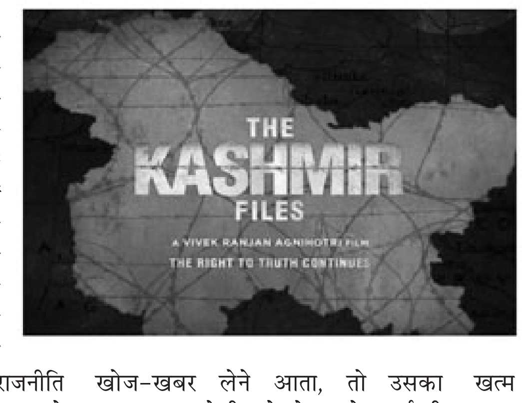

पिछले दिनों जब द कश्मीर फाइल्स देख रहा था, तब मुझे उस बहादुर और सचेत बुजुर्ग कश्मीरी पंडित द्वारा साझा की गई जानकारियां याद आईं। ऊपरी तौर से तो सब कुछ वैसा ही लगा, जैसा उन्होंने बताया था, लेकिन दिमाग पर थोड़ा जोर देते ही लगता कि कहीं कुछ गड़बड़ हो रही है। मसलन, वे सब सूचनाएं गायब थीं, जिनमें मोहल्ले के पड़ोसी मुसलमानों ने पंडित को झूठ बोलकर भी बचाया था। वे अनगिनत कथाएं भी इस फिल्म की पटकथा का हिस्सा नहीं बन पाईं, जिनमें घर छोड़कर भाग चुके पंडित परिवार का कोई सदस्य अगर कभी अपनी संपत्ति की खोज-खबर लेने आता, तो उसका मुसलमान पड़ोसी उसे होटल से जबर्दस्ती लाकर अपने घर ठहराता। उन्होंने एक दर्जन से अधिक किस्से सुनाए थे, जिनमें पंडितों के सेब के बागान की देखभाल करने वाले मुसलमान काश्तकार हर साल फसल बेचकर जम्मू के शरणार्थी कैंपों में रहने वाले उनके मालिकों को पैसा देने जाते और अपनी आंखें पोंछते हुए लौटते। पर ये प्रसंग तो फिल्म में कहीं दिखे ही नहीं। शायद जिस एजेंडे के तहत यह फिल्म बन रही थी, उसमें ये सकारात्मक प्रसंग कहीं फिट नहीं बैठते थे।

उन दिनों अचानक शहर की जामा मस्जिद में जुमे की नमाज के बाद एक अपरिचित सा चेहरा खुतबे के लिए खड़ा होता और स्थानीय नमाजियों को कोसने लगता कि वे दरगाहों पर इबादत के लिए जाते हैं या कश्मीरियत के नाम पर बहुत सी गैर-इस्लामी परंपराओं में मुब्तला हैं। उसी जैसा कोई व्यक्ति मोहल्ले की मस्जिद पर भी काबिज था और वहां के माइक से पंडितों को घर छोड़कर भाग जाने को कह रहा था। इस व्यक्ति को स्थानीय लोग पहचानते तो नहीं थे, पर उसके उच्चारण और पोशाक से अनुमान लगा लेते कि वह पाकिस्तानी पंजाब या सरहदी इलाकों से आया है। इस फिल्म में पीढ़ियों से पड़ोस में रह रहे और सूबा सरहद से आए मुसलमान के बीच के फर्क को खत्म कर दिया गया है।

कश्मीरी पंडितों के विस्थापन की जो कहानी फिल्म में सुनाई गई है, वह तथ्यात्मक रूप से काफी हद तक सही होते हुए फिल्म को प्रचार से अधिक कुछ नहीं बना पाती है। इसमें आतंकवाद के फौरी कारण उन आम चुनावों का तो जिक्र ही गायब है, जो जनता को अपनी पसंद के प्रतिनिधि चुनने के अधिकार से वंचित करते थे। अब यह छिपा तथ्य नहीं है कि 1987 के आम चुनाव की धांधलियों ने 1989 के विस्फोट में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई थी। इस रहस्य पर किसी का ध्यान नहीं गया कि मोरारजी देसाई घाटी के सबसे लोकप्रिय भारतीय प्रधानमंत्री सिर्फ इसलिए हैं, क्योंकि उनकी सरकार ने वहां के सबसे निष्पक्ष चुनाव कराए थे। फिल्म ने पंडितों के निष्कासन के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे वी पी सिंह, जगमोहन, मुफ्ती मोहम्मद सईद या फारूख अब्दुल्ला के चरित्र का तटस्थ अवलोकन नहीं किया। यह कहना ज्यादा सही होगा कि सिर्फ इन पात्रों के चित्रण में नहीं, फिल्म की पूरी पटकथा में ही इस तटस्थ रचनात्मकता का अभाव है।

फिल्म के निर्माता भूल गए कि युद्ध या घृणा पर बड़ी रचना वही हो सकती है, जो अंतत: इनके विरुद्ध अरुचि पैदा कर सके। यहूदियों के नरसंहार या होलोकास्ट पर बहुत-सी फिल्में बनी हैं, पर सम्मान से जिक्र उन्हीं का होता है, जो नस्लवादी संहार के विरुद्ध दर्शकों को खड़ा करती हैं। द कश्मीर फाइल्स तो प्रतिशोध की फिल्म है, इससे जुड़े लोगों को द पियानिस्ट या लाइफ इज ब्यूटीफुल जैसी फिल्में देखनी चाहिए। इन फिल्मों को देखकर कभी भी उस पूरी जाति के प्रति आक्रोश नहीं पैदा होता, जिसके कुछ सदस्य होलोकास्ट से जुड़े थे। लाइफ इज ब्यूटीफुल की तो आलोचना भी इसलिए की गई कि उसने यातना और पीड़ा के उन बोझिल क्षणों में कुछ हल्के-फुल्के प्रसंगों के लिए भी गुंजाइश निकाल ली थी। इन बड़ी कृतियों के बरक्स द कश्मीर फाइल्स में सिर्फघृणा है, आक्रोश है और इनसे उपजने वाली प्रतिशोध की भावना है। मानो एक फिल्म ने देश को विभक्त कर दिया है। कुछ लोगों ने मांग की है कि देश में मुस्लिम संहार की घटनाओं पर भी फिल्में बनें। वे भूल जाते हैं कि बदले की भावना से निर्मित कोई भी कृति साधारण ही होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

लॉकडाउन से मिले सबक सहारे आगे का सफर

रवि एस श्रीवास्तव,अर्थशास्त्री व श्रम विशेषज्ञ

दो साल पहले आज ही के दिन (22 मार्च) आजाद भारत में पहली बार जनता कर्फ्यू लगाया गया था। कोविड महामारी के संक्रमण को थामने के लिए आम लोगों से स्वत: बंद का यह आह्वान किया गया था, जिसके बाद लॉकडाउन की घोषणा की गई थी। जनता कर्फ्यू और लॉकडाउन में नाममात्र का अंतर रहा, क्योंकि जनता कर्फ्यू की घोषणा के साथ ही अनधिकृत रूप से रेल यातायात और हवाई सेवाएं सीमित कर दी गई थीं। इसलिए, जो लोग जनता कर्फ्यू के दौरान घर वापस लौटने को इच्छुक थे, उनमें से ज्यादातर अपने मकसद को नहीं पा सके।

आर्थिक नजरिये से देखें, तो लॉकडाउन की सख्ती के अनुपात में अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुईं। हमारे ईद-गिर्द के चार पड़ोसी देशों (बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल व पाकिस्तान) की राष्ट्रीय आय कोरोना काल में दो से तीन फीसदी की दर से बढ़ी, जबकि 2020-21 और 2021-22 का औसत बताता है कि भारत में लगभग एक फीसदी की दर से राष्ट्रीय आय में बढ़ोतरी हुई। इतने सख्त लॉकडाउन की क्या वाकई हमें जरूरत थी? विश्लेषक इसके लिए स्पैनिश फ्लू से तुलना करते हैं। उनका तर्क है कि 1918 की इन्फ्लूएंजा महामारी बेशक कोरोना से ज्यादा घातक थी, पर अंग्रेजों ने तब भारत में सार्वजनिक यातायात को कम या बंद नहीं किया था। लोगों के पास अपने घर लौटने की सहूलियत थी। कोविड-19 के दौरान चूंकि 24-25 मार्च, 2020 को (जब लॉकडाउन की शुरुआत हुई) कोरोना का संक्रमण बहुत कम था। लिहाजा यह अनुमान है कि उस वक्त लोग यदि घर लौट जाते, तो बाद में हुजूम के लौटने की तुलना में कोविड का संक्रमण शायद कम फैलता। हालांकि, लॉकडाउन की वजह से पैदा हुई परिस्थितियों से हमने और हमारी सरकार ने सबक लिया, और जब अप्रैल, 2021 में कोरोना की कहीं ज्यादा घातक दूसरी लहर आई, तो सार्वजनिक यातायात को बंद नहीं किया गया, बल्कि राज्यों को यह जिम्मेदारी दी गई कि वे क्षेत्रवार परिस्थितियों को देखकर बंदी का फैसला करें।

हालांकि, मजदूरों का पलायन लॉकडाउन का महज एक पक्ष था, इसका

दूसरा पहलू अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ा है, जिसकी आमदनी पर भयंकर असर पड़ा। सर्वे बताते हैं कि लॉकडाउन के दौरान अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े कम से कम 90 फीसदी परिवारों की आमदनी घटी। उस वक्त सरकारी आंकड़ों में बेरोजगारी दर भी 23 फीसदी के करीब पहुंच गई थी, हालांकि सीएमआईई ने 27 फीसदी बेरोजगारी दर का अनुमान लगाया था। उस समय लोग न सिर्फ बेरोजगार हुए, बल्कि अगर उनका रोजगार बचा भी, तो उनकी आमदनी कम हो गई। साल भर के आंकड़े भी यही तस्दीक करते हैं कि अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े कम से कम दो-तिहाई परिवारों की आमदनी लॉकडाउन से पहले की तुलना में कम रही। पीएलएफएस के आंकड़े बताते हैं कि लॉकडाउन से पहले जहां बेरोजगारी दर छह से सात फीसदी थी, वहीं अप्रैल-जून, 21 में भी यह करीब 12 फीसदी थी। आज भी जितने लोगों के पास रोजगार है, उनकी संख्या लॉकडाउन से पहले की तुलना में कम है। शहरी क्षेत्रों की तस्वीर तो और भयावह है। आंकड़ों की मानें, तो 57 फीसदी कामगार वर्ग के लोगों के पास लॉकडाउन से पहले नियमित मासिक आमदनी थी और सात फीसदी छुट्टे मजदूर थे, जबकि 2021-22 में काम करने वाले 52 फीसदी हाथों के पास मासिक आमदनी बची थी और छुट्टे मजदूरों की संख्या बढ़कर 17 प्रतिशत हो गई थी। काम की स्थिति में यह गिरावट मात्र अनौपचारिक क्षेत्र में रही। एकाध अपवाद को छोड़ दें, तो संगठित और बड़े औद्योगिक क्षेत्र इस पूरे काल में फायदे में रहे।

आज दो साल बाद देश में उत्पादन बढ़ रहा है और आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आई है। मगर 2020 में जिन रोजगार की शर्तों पर लोग काम कर रहे थे, ज्यादातर कामगार उन शर्तों को फिर से पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस कारण आम लोग दोतरफा परेशानियों से मुकाबला कर रहे हैं। एक तरफ उनकी आमदनी नहीं बढ़ रही, तो दूसरी तरफ जरूरी चीजों के दाम तेज हो चले हैं। नतीजतन, आम लोगों की वास्तविक आय घट रही है। इसलिए, समग्रता में या राष्ट्रीय उत्पादन के लिहाज से अर्थव्यवस्था की सुखद तस्वीर दिख रही हो, मगर आम लोगों की नजर से भारतीय अर्थव्यवस्था दो साल के संकट से अब भी उबर नहीं पाई है। अब भी 60 से 70 फीसदी कामगार आबादी 2020 के स्तर को नहीं पा सकी है, जबकि उस समय भी कोई अच्छी परिस्थिति नहीं थी। जाहिर है, संकट नीतिगत भी हैं और महामारी जनित भी। आगे बढ़ने के लिए अर्थव्यवस्था में रोजगार केंद्रित विकास को आगे बढ़ाना होगा, और यह काम तीन साल तक सतत रूप में होना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सोनकंठी गौरैया का नन्हा शिकारी

सलीम अली ,मशहूर पक्षी विज्ञानी

मामा बड़े शिकारी थे। मामा ने भांजे के लिए भी एक गन खरीद दी थी। गन का रुतबा ही अलग था। तब ज्यादातर बच्चे पत्थर फेंककर ही निशाना साधते थे, कई बच्चे गुलेल से निशानची बनने की कोशिश करते थे, लेकिन भांजे के पास तो आठ-नौ साल की उम्र में ही गन आ गई। गन से सोलह आना सटीक निशाना लगता था। कुछ ही दिनों में गन से खूब यारी भी हो गई। जब आसपास निशानेबाजी के मुकाबले होते थे, तब उनमें भाग लेने का मजा ही अलहदा होता था। तब तय लग रहा था कि भांजा आगे चलकर मामा से भी माहिर शिकारी बनेगा। निशाना इतना पक्का लगाता था कि लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे।

तब के बॉम्बे में पेड़-पौधे खूब थे, तो पक्षियों के घोंसले-बसेरे भी बेशुमार थे। जब भी कोई पक्षी निशाने पर दिखता, तो भांजे साहब दौड़कर गन निकाल लाते और धांय की आवाज के साथ पक्षी जमीन पर आ पड़ता। देखने वाले तालियां बजाते थे। यह एहसास किसी में नहीं था कि पक्षियों को प्यार चाहिए। जब बड़े-बड़े रसूखदार शिकारी होने में शान समझते थे, तब भला बच्चों को चिड़ीमारी से कैसे दूर रखा जा सकता था?

उस दिन सुबह पास ही मुंडेर पर एक गौरैया आ बैठी थी। भांजे को लगा कि शिकार खुद चलकर आ गया है, तो फिर क्या था, घर के अंदर से दौड़कर गन ले आए, निशाना साधा और चीड़िया नीचे ढेर। तब अपने शिकार को करीब से देखने का चस्का-नशा भी अलग हुआ करता था। बड़े लोग तो तब मिलकर बाघ मारते थे और उस पर लगभग चढ़कर मूंछों पर ताव देते फोटो खिंचवाते थे। ऐसे फोटो शिकारियों के घरों की दीवारों पर शेखी बघारते टंगे होते थे। बहरहाल, भांजे ने शिकार को करीब से देखा, तो कोई और चिड़िया थी। गले पर सुनहरा रंग था, सवाल खड़ा हो गया कि यह गौरैया नहीं है, तो क्या है? माथा खुजाते चिड़िया को उलट-पलटकर दूसरे बच्चों ने भी देखा, लेकिन सुनहरा रंग सवाल था, आखिर इस शिकार को क्या नाम दिया जाए? चीड़िया को मामा के सामने पेश किया गया, तो मामा भी बड़े पशोपेश में पड़ गए। गौरैया नहीं है, कुछ और है? भांजे को क्या बताया जाए? बहुत चिड़िया देखी है, लेकिन ऐसी कभी नहीं देखी। भांजे ने बड़ा दुर्लभ 'टाइप' शिकार किया है। मामा ने महज शाबाशी देकर टालने की कोशिश की, लेकिन भांजा टस से मस नहीं हुआ, 'मामा जी, बताओ तो सही, यह कौन-सी चिड़िया है?'

भांजे की बेचैनी देखकर मामा भी चिंतित हुए और तय किया कि चलो बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी चलते हैं, वहां अंग्रेज साहब डब्ल्यू सी मिलार्ड के पास जरूर जवाब होगा। मिलार्ड साहब ने भी चिड़िया को देखा, गले के पास सुनहरा रंग भी देखा और बता दिया कि यह गौरैया ही है, सोनकंठी गौरैया। यह विशेष प्रजाति है, जो संख्या में बहुत कम रह गई है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

पढ़ाई छोड़ चुके 6 बच्चों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने पढ़ाई पुनः शुरू करवाया

दुर्ग। राजेश श्रीवास्तव जिला एवं सत्र. न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में '' हमर अंगना योजना'' के तहत् घरेलू हिंसा से पीडित महिलाओं को विधिक सलाह एवं सहायता प्रदान किये जाने हेतु सर्वे कार्य किया जा रहा है। हमर अंगना योजना के तहत् किये जाने वालें सर्वे कार्य के साथ साथ एक नवीन अभियान की शुरूआत की गई थी जिसके अंतर्गत जो बालक/बालिका पढाई छोड चुके है उनको फिर से शिक्षा का महत्व बताते हुए पढाई पुन: शुरू करवाये जाने की पहल की गई थी। जिसके अंतर्गत ग्राम पुराई एवं बोरीकर का सर्वे के उपरांत पैरा लीगल वालंटियर लता राजपूत के द्वारा यह पाया गया था कि ऐसे 6 बच्चे हैं जिन्होंने अपनी पढ़ाई किसी कारण छोड़ छोड़ दी है ऐसे बच्चों को शिक्षा का महत्व बताते हुए उनके मां-बाप को बच्चों को पढ़ाने हेतु प्रेरित किया क्या जिस पर उनके मां-बाप के द्वारा अपने बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने हेतु अनुमति प्रदान की गई । राहूल शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि शिक्षा सफलता की पहली कुंजी है किसी भी समाज, राज्य एवं देश का विकास उसके युवा पीढी पर बहोत ज्यादा निर्भर रहती है ऐसे में अगर यह पीढि शिक्षित है तो इसका महत्व और भी बढ जाता है। बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार एक मौलिक अधिकार है परंतु प्राय: यह देखा गया है कि कुछ माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने में कोई रूचि नही रखते है। यह भी देखा गया है कि बच्चों को व्यवसाय हेतु पढाई को महत्व नही देते। यह भी पाया जा रहा है कि ग्रामीा/स्लम एरिया में लडकियो को शिक्षा से दूर रखा जाता है। वर्तमान समय में लडका एवं लडकी दोनों बराबर है।

घोटुल शिक्षण के ऐसे केंद्र जहां पर शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति की समृद्ध जानकारी दी जाती है

घोटुल की संस्कृति ने बस्तर को देश-विदेश में पहचान दिलायी - मुख्यमंत्री

घोटुल सदस्यों ने अंतागढ़ के अमाकडा में 8 अप्रैल को आयोजितन झलमलको लायोर गोटूल रच्चा उत्सव में मुख्यमंत्री को किया आमन्त्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यहां विधानसभा ऑडिटोरियम में बस्तर के 50 से अधिक घोटुलों से आये मांझी एवं सदस्यों को संबोधित किया । घोटुल सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को अंतागढ़ के अमाकडा में 8 अप्रैल को आयोजित झलमलको लायोर गोटूल रच्चा उत्सव में आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण सहर्ष स्वीकारते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान बस्तर से है , वहां की संस्कृति से है । बस्तर की हमेशा अलग पहचान रही है चाहे घोटुल हो, देवगुड़ी , मुर्गा लड़ाई , या दशहरा उत्सव, इन सभी ने बस्तर को देश विदेश में पहचान दिलायी है ।

वहां की विभिन्न बोलियां , संस्कृति एवं खानपान से बस्तर की अलग पहचान है । घोटुल की पहचान उसकी संस्कृति के कारण देश-विदेश में बनी हुई थी और देश-विदेश से पत्रकार यहां आकर इसकी पहचान बताते थे । घोटुल संस्कृति शिक्षण केंद्र हैं जहां पर शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति की जानकारी प्रदान की जाती है ।

जब मैं नारायणपुर गया था तो वहां घोटुल निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की थी । घोटुल के संरक्षण , संवर्धन हेतु शासन से जो भी सहयोग होगा वह प्रदान किया जाएगा । सरकार द्वारा यहां की संस्कृति के संरक्षण और संवारने का काम लगातार किया जा रहा है । देवगुड़ी का निर्माण पूरे बस्तर में किया जा रहा है हमारी परंपरा एवं संस्कृति का संबंध प्रकृति के साथ जिंदा रहना चाहिए । घोटुल का अस्तित्व बने रहना चाहिए , इसके माध्यम से हम अपनी संस्कृति से युवाओं को अवगत करा रहे हैं । मुझे जानकर बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि आप पारंपरिक परिधान में यहां आए हैं, जड़ जितनी गहरी होगी वृक्ष उतना ऊपर जाएगा। संस्कृति को हमको पोषित करना है, उसे आगे बढ़ाना है इसलिए हमने इस बार के बजट में सिरहा, गुनिया, बैगा ,मोरिया का भी मानदेय तय किया है। बांस से हस्त निर्मित आमन्त्रण पत्र पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने निमंत्रण पत्र बहुत ही सुंदर बनाया है।

मुख्यमंत्री के आग्रह पर घोटुल सदस्यों ने रैला नृत्य प्रस्तुत किया। राज्य योजना आयोग की सदस्य श्रीमती कांति नाग के नेतृत्व में घोटुल के मांझी एवं सदस्यों ने मुख्यमंत्री को बांस शिल्प से निर्मित घोटुल रच्चा भेंट किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री कवासी लखमा, मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, विधायक अनूप नाग उपस्थित रहे।

सद्गुरु माता सुदीक्षा जी की छत्तीसगढ़ कल्याण यात्रा 28 मार्च से

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छतीसगढ़ निरंकारी सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज जी का छतीसगढ़ आगमन निरंकारी जगत के लिए हर्ष का विषय है। सद्गुरु माता सुदीक्षा जी का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर आगमन हो रहा है। छतीसगढ़ में पहली बार माता जी के आगमन से निरंकारी भक्तों में खुशी की लहर है।

जोनल इंचार्ज भजन सिंह निरंकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि माता जी के पावन सानिध्य में सोमवार 28 मार्च को बिलासपुर पुलिस ग्राउंड में शाम 6 बजे से 8 बजे तक निरंकारी संत समागम का आयोजन किया गया है पूज्य माता जी के प्रवचन रात्रि 8 बजे से होंगे। प्रदेश की राजधानी रायपुर में भी माता जी के सानिध्य में विशाल संत समागम का आयोजन किया जा रहा है। रायपुर में संत समागम का आयोजन मंगलवार 29 मार्च को शाम 6 बजे से 8.30 बजे तक इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सामने लाभांडी ग्राउंड में होगा। भक्तों को प्रेम,दया,करुणा व एकत्व के भाव को जोड़कर दीवार रहित संसार का संदेश देने निरंकारी सद्गुरु माता जी का प्रथम छतीसगढ़ प्रवास का तीसरा सत्संग कार्यक्रम संस्कारधानी राजनांदगांव में होगा। 30 मार्च बुधवार को शाम 5 बजे से विशाल सत्संग का आयोजन संत निरंकारी सत्संग भवन के नए प्लाट जी ई रोड पेंड्री में होगा।

राजनांदगांव में सत्संग स्थल पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। सदगुरू माता जी के प्रथम छत्तीसगढ़ आगमन पर आयोजित सत्संग कार्यक्रम में छतीसगढ़ के अलावा ओड़िसा,मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के श्रद्धालु व भक्तगण शामिल होंगे। सत्संग स्थल पर शौचालय, केंटीन व अस्थाई आवास की भी तैयारियां स्थानीय संगतों द्वारा की जा रही है। माता जी की कल्याण यात्रा का उद्देश्य विश्व बंधुत्व की स्थापना करना है। प्रदेश के निरंकारी समागम की तैयारियो में कोविड नियमो का पालन किया जा रहा है।सत्संग स्थल पर कोविड नियमो के अनुसार मास्क व सेनेटाइजर की अनिवार्यता होगी।

राजनांदगांव निरंकारी समागम की तैयारियों में ब्रांच संयोजक ,मुखी,सेवादल के अधिकारी ,सेवादल के जवान व बहने निरंतर सत्संग स्थल पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है। यह सूचना सहायक जनसंपर्क अधिकारी शंकर सचदेवा ने दी।

आर्थिक गतिविधियों के ज़रिए व्यावसायिकरण के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही हैं स्वसहायता समूहों की महिलाएं

भरतपुर के कोरिया मसाला उद्योग ने जिले को राष्ट्रीय स्तर पर दिलाई पहचान

'विभिन्न प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार की ओर बढ़ रही रुचि'

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया । जिले में स्वसहायता समूह की महिलाएं विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से स्वयं सशक्त होने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्वसहायता समूहों की महिलाएं आर्थिक गतिविधियों से व्यावसायिकरण के क्षेत्र में कदम बढ़ा रही है, जिससे जिले की ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगार की प्राप्ति के साथ ही नई पहचान बनाने में मदद मिल रही है।

'आर्थिक गतिविधियों के ज़रिए व्यावसायिकरण के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही हैं स्वसहायता समूहों की महिलाएं' विकासखण्ड भरतपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत गठित कोरिया महिला गृह उद्योग संकुल संगठन खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। संकुल संगठन के अंतर्गत पांच महिला स्वसहायता समूह की 50 महिलाओं द्वारा मसाला प्रसंस्करण का कार्य किया जा रहा है। महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के मसाले हल्दी, मिर्च व धनिया पाउडर, कसूरी मेथी, अचार मसाला आदि का निर्माण और पैकेजिंग का काम किया जा रहा है।

संगठन की अध्यक्ष श्रीमती नीलिमा चतुर्वेदी ने बताया कि महिलाओं द्वारा खड़े मसालों की सफाई कर हाथों से पीसकर बनाया जाता है। इसके बाद मशीन से पैकिंग कर वंदना ब्रांड के नाम से बाजार में बेचा जा रहा है। मसालों को स्थानीय बाज़ार के साथ ही साथ स्कूल, आश्रम-छात्रावासों और आंगनबाड़ी केंद्रों में भी विक्रय किया जा रहा है। स्थानीय बाज़ारों में लोगों द्वारा समूह द्वारा उत्पादित मसालों को काफी पसंद किया गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राजधानी रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय महिला मड़ई में संगठन ने स्टॉल लगाकर जिले की नारीशक्ति का प्रदर्शन करते हुए स्वनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। शिविर में राज्यभर के महिला समूहों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन कोरिया महिला समूह को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिले के मसाला उद्योग को देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित सरस मेले में भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। जिले में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत बिहान योजना के तहत 03 मसाला एवं 58 मिनी राइस मिल की स्थापना की गई। कृषि विभाग द्वारा स्थापित 05 दाल मिल, 97 आटा चक्की सह मिनिराइस मिल एवं 51 राइस मिल ने ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार की ओर आगे बढ़ाया है।

इसी प्रकार कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत कुल 05 इकाइयों की स्थापना की गई, जिनमें मिनी राइस मिल, दाल मिल, तेल मिल, सीड ग्रेडिंग संयंत्र ईकाई, दूध प्रसंस्करण इकाई शामिल है। कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा कृषकों को संगठित कर किसान उत्पादक संगठन कोरिया एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की स्थापना की गई। संगठन में 573 पंजीकृत कृषक है, जिसमे आदिवासी कृषकों की भागीदारी 72 प्रतिशत है। वन विभाग द्वारा स्थापित 04 माहुल पत्ता प्रसंस्करण इकाई, 04 लाख प्रसंस्करण इकाई, 04 लघु वनोपज प्रसंस्करण इकाई से वनानांचल के निवासियों को आर्थिक प्रगति की राह मिली है।

प्रदेश में पोषण पखवाड़ा शुरू जागरूकता के लिए निकली रैलियां

पोषण संबंधी व्यवहार परिवर्तन के लिए 04 अप्रैल तक होंगे विविध आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज सोमवार से प्रदेश में जिला, विकासखण्ड और ग्राम स्तर पर पोषण अभियान के तहत चौथे पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। पखवाड़े के पहले दिन प्रदेशभर में पोषण जागरूकता के लिए सुपोषण रथ, पोषण साइकिल रैली, बाइक रैली जैसी कई रैलियां निकाली गई।

यह पखवाड़ा 04 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान प्रदेश में प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन कर व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर पोषण सम्बन्धित व्यवहार परिवर्तन का प्रयास किया जाएगा।

इस वर्ष पोषण पखवाड़ा का प्रमुख उद्देश्य स्वस्थ बच्चे की पहचान और स्वस्थ भारत के लिए पारम्परिक और आधुनिक संसाधनों के एकीकरण पर केन्द्रित गतिविधियां है।

इसमें जनप्रतिनिधियों, सहयोगी विभागों, संगठनों, समूहों एवं जनसमुदाय का भी सहयोग लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा 21 से 27 मार्च के मध्य स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा का आयोजन किया जाना था जिसे आगामी आदेश तक स्थगित किया गया है। इसके स्थान पर अब 21 मार्च से 04 अप्रैल के मध्य पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया है।

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत समुदाय आधारित गतिविधि, लिंग संवेदनशील जल प्रबंधन, एनीमिया की रोकथाम और प्रबंधन, जनजातिय क्षेत्रों में स्वस्थ मां और बच्चे के लिए पारंपरिक भोजन को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ देसहा यादव समाज की वार्षिक महासभा 25 से 27 तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ देसहा यादव समाज की वार्षिक महासभा दिनांक 25, 26 और 27 मार्च को महादेव घाट रायपुर में आयोजित हैं। देसहा यादव समाज के प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी रामजी यादव ने बताया है कि 25 और 26 मार्च को सामाजिक चर्चा परिचर्चा के साथ-साथ प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान, समाज सेवा में विशिष्ट योगदान देने वाले पदाधिकारी कार्यकर्ताओं का सम्मान एवं 27 मार्च को अध्यक्ष पद के उम्मीदवार और पदाधिकारी चुनाव के साथ-साथ आदर्श विवाह होगा।

खास खबर

विश्व वानिकी दिवसः मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जंगल को बचाने की अपील की

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी है। आज यहां जारी अपने संदेश में उन्होंने कहा है कि विश्व भर में पेड़ों और जंगल की सुरक्षा और उसका महत्व जन-जन तक पहुंचाने के लिए 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस मनाया जाता है। जंगल पर कई जीव-जन्तु, कीट पतंगों की परस्पर निर्भरता रहती है। यह व्यवस्था पर्यावरण के साथ-साथ जैविक सह-अस्तित्व की सुरक्षा के लिए बहुत आवश्यक है। जंगल पृथ्वी पर प्राणवायु ऑक्सीजन के साथ विभिन्न खाद्य और अन्य उपयोगी सामग्रियों के स्रोत हैं। बढ़ती जनसंख्या और बदलती जीवन शैली का दुष्प्रभाव हमें सिमटते जंगल और प्रदूषित पर्यावरण के रूप में दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों और जंगल को बचाने की अपील की है।

पंडरी रायपुर में 22 से 31 मार्च तक खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी का आयोजन 22 मार्च से 31 मार्च 2022 तक छत्तीसगढ़ हाट परिसर, पंडरी रायपुर में किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा पंडरी में आयोजित प्रदर्शनी सह विक्रय मेला 22 से 31 मार्च तक प्रतिदिन पूर्वान्ह 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रहेगा। उक्त आयोजन में प्रदर्शनी व विक्रय हेतु 39 स्टॉल लगाया गया है तथा विभिन्न प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्वाद का भी आनंद लिया जा सकता है। प्रतिदिन शाम 7 बजे से संस्कृति विभाग के सहयोग से विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। साथ ही बोर्ड द्वारा फैशन शो का भी आयोजन किया जायेगा। उक्त प्रदर्शनी में आम जनता का प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। उक्त प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग से पंजीकृत विभिन्न राज्यों के वित्त पोषित/पंजीकृत इकाईयां भाग लेंगी। जिसमें छत्तीसगढ़ के परंपरागत खादी वस्त्र, रेशम वस्त्र, हाथकरघा वस्त्र, बेलमेटल, बांसशिल्प, बनारसी, चंदेरी, भागलपुरी, राजस्थानी आदि विभिन्न प्रकार की कलात्मक खादी एवं ग्रामोद्योग सामग्रियों का प्रदर्शन सह विक्रय किया जावेगा। इस दौरान प्रतिदिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत 22 मार्च को शुभारंभ कार्यक्रम, 23 मार्च को लोक मंच, 24 मार्च को पंथी नृत्य तथा 25 मार्च को सुगम गायन एवं गजल का कार्यक्रम होगा। इसी तरह 26 मार्च को आर्केस्ट्रा एवं संगीत कार्यक्रम, 27 मार्च को फैशन शो, 28 मार्च को गांधी जी के भजन, 29 मार्च को सेमिनार, 30 मार्च को पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम आयोजित है। प्रदर्शनी का समापन 31 मार्च को होगा।

पुलिस जवान की पत्नी से सिपाही ने किया दुष्कर्म, राजेंद्र नगर थाने में मामला दर्ज

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में पुलिस जवान की पत्नी से सिपाही ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। बता दें कि पुलिस जवान और आरोपित दोनों एक ही जगह बटालियन में पदस्थ हैं। राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र में दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस जवान की पत्नी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का मामला है। राजेंद्र नगर थाना प्रभारी राजेश देवदास ने बताया कि महिला की शिकायत पर आरोपित जवान के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना के बाद से आरोपित जवान फरार है।

प्राचीनतम् एवं कारगर चिकित्सा पद्धति है आयुर्वेदः चरणदास महंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ के प्रांतीय प्रतिनिधि सम्मलेन के अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा सर्वाधिक प्राचीनतम् चिकित्सा विद्या है, जो हमारे लिए अत्यंत उपयोगी एवं कारगर है। डॉ. महंत ने सम्मलेन में राज्यभर से आए आयुष चिकित्सकों से आग्रह किया कि वे आमजनों तक आयुष चिकित्सा पद्धति को सजगता से पहुंचाए। कोरोना संक्रमण काल में लोगों ने आयुर्वेद चिकित्सा को बेहतर ढंग से जाना एवं उपयोग किया। छत्तीसगढ़ राज्य में औषधीय पौधो का भंडार है, ऐसा कोई पौधा नहीं है, जिसका उपयोग औषधि में न होता है, सिर्फ शोध की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि आयुर्वेद के प्रति लोगो का रुझान एवं विश्वास बढ़ा है। आयुष चिकित्सकों को भी उनके विश्वास पर खरा उतरना होगा। यदि आयुर्वेद के अनुसार जीवन शैली अपनाया जाये तो लोगो का स्वास्थ हमेशा अच्छा रहेगा। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद अधिकारी संघ के अधिकांश मांग पूरा हो गए है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान धन्वन्तरि की छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रान्ताध्यक्ष डॉ. परस शर्मा ने संघ के गतिविधियों की जानकारी देते हुए एक सूत्रीय मांग पत्र संविदा आयुष चिकित्सकों को नियमित करने हेतु मुख्य अतिथी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष को सौंपा। कार्यक्रम में पूर्व प्रान्ताध्यक्ष डॉ. प्रदीप शुक्ला ने भी उद्बोधन दिया।

इस अवसर पर शासकीय सेवा एवं संघ से सेवानिवृत्त होने पर डॉ. कुमार अडवानी, डॉ. परस शर्मा, डॉ. प्रदीप शुक्ला, डॉ. घनश्याम दुबे, डॉ. सुधाकर बिबे, डॉ. राम सनेही दुबे का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि डॉ महंत एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ प्रेमसाय सिंह, डॉ सुनीलदास संयुक्त संचालक आयुष, डॉ संजय शुक्ला रजिस्ट्रार आयुर्वेद बोर्ड का साल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पतंजलि दीवान एवं आभार प्रदर्शन डॉ विश्वास परिब्राजक ने किया।

डॉ पतंजलि दीवान प्रान्ताध्यक्ष बने

सम्मलेन के द्वितीय सत्र में केन्द्रीय चुनाव पर्यवेक्षक डॉ अश्वनी शर्मा की उपस्थिति में नवीन प्रान्तीय कार्यकारिणी का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हुआ। जिसमें डॉ पतंजलि दीवान प्रान्ताध्यक्ष, डॉ प्रशांत कश्यप, डॉ लक्ष्मण भारती उप प्रान्ताध्यक्ष, डॉ बी.आर.नायक, डॉ रजनीश जायसवाल, डॉ बेदराम पटेल, डॉ कोमल सिंह, डोटे महामंत्री, डॉ अनिल कालमेघ कोषाध्यक्ष, डॉ गदाधर पंडा, डॉ मकसूदन साहू, डॉ कमल सिदार, डॉ राजकुमार यादव, कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए।

समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगों को निःशुल्क बैटरी चलित ट्रायसाइकिल का किया गया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समाज कल्याण विभाग जिला रायपुर द्वारा कलेक्टोरेट परिसर स्थित जिला पंचायत कार्यालय के प्रांगण में दिव्यांगजनों को निःशुल्क बैटरी चलित ट्रायसाइकिल का वितरण किया गया। जिला पंचायत रायपुर कि अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा तथा समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक भूपेंद्र पांडे की उपस्थिति में दिव्यांगजनों को ट्रायसाइकिल का वितरण किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं दिव्यांगजनों के परिजन उपस्थित थे।

समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक पांडे ने बताया कि जिन हितग्राहियों को ट्रायसाइकिल का वितरण किया गया उसमें विकास खण्ड धरसींवा के विभिन्न ग्राम के दिव्यांग सदस्य क्रमशः ग्राम टेकारी कि माधुरी ठाकुर,ग्राम पथरी के घनश्याम बघेल एवम ग्राम कुथरेल के द्वारिका पाल शामिल है।

हितग्राहियों ने बताया कि अब ट्रायसाइकिल मिलने से उन्हें कहीं आने-जाने में कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। शारीरिक कष्ट की वजह से कहीं आने-जाने में तकलीफ होती थी, अब वह दिक्कत नहीं होगी साथ ही जीने का राह भी आसान हो जाएगा। उन्होंने दिव्यांगो के लिए चलाई जा रही इस योजना के लिए सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

दस दिवसीय 'आकार' पारंपरिक शिल्पकला प्रशिक्षण शिविर का समापन

प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

रायपुर। संस्कृति विभाग द्वारा 10 दिवसीय "आकार" पारंपरिक शिल्प कला प्रशिक्षण शिविर का आज समापन हुआ। महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में यह शिविर 13 मार्च से 21 मार्च तक आयोजित था। विभाग द्वारा यह प्रशिक्षण शिविर विगत 21 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा पारंपरिक शिल्प व विविध कलाओं के संरक्षण, प्रचार-प्रसार, जागरूकता तथा रूचि जागृत करने के लिए आर्यभट्ट शोध संस्थान के सहयोग से संस्कृति विभाग द्वारा आकार- 2022 का आयोजन किया गया था। शिविर में पारंपरिक शिल्प तथा विविध कलाओं जैसे बांस शिल्प, मधुबनी आर्ट, काष्ट कला, चित्रकला, रजवार भित्ती, गोदना आर्ट, नाटक, नृत्य, टेरोकोटा, जापान पेपर कटिंग, क्ले आर्ट, पैरा आर्ट, ग्लास पेंटिंग, ड्राई फ्लावर मेंकिंग, धान ज्वेलरी मेंकिंग और म्यूरल आर्ट आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थियों द्वारा निर्मित कलाओं को प्रदर्शित भी किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कलाओं को संरक्षित एवं विस्तार कर नई पीढ़ी को इन कलाओं से अवगत कराना है। जिससे हमारी कला सदैव जीवंत बनी रहे।

आकार 2022 के इस प्रशिक्षण शिविर में रायपुर के कुल 139 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में 18 विधाओं पर प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान विशेष रूप से छत्तीसगढ़ी पारंपरिक वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन भी किया गया। आकार के इस आयोजन को विस्तार देते हुए रायपुर सहित चार संभागों बस्तर, सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग में भी आयोजित किया गया।

नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. डहरिया ने सहोदरा माता के दर्शन कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने गत दिवस भंडारपुरी में सहोदरा माता झांकी दर्शन मेला में पहुंचकर माता के दर्शन कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने सतनामी समाज की मांग पर पूजा स्थल के जीर्णोद्धार के लिए 5 लाख रूपये देने की घोषणा की।

मेले में मंत्री डॉ. डहरिया ने बाबा गुरु घासीदास द्वारा स्वयं धारण किए हुए कंठी माला व चरण खड़ाऊ तथा माता सहोदरा द्वारा जलाया गया ज्योति कलश, गद्दी आसन का दर्शन कर पूजा- अर्चना की। इस मौके पर डॉ. डहरिया ने सहोदरा माता के वंशजगण 'देवान परिवार के सदस्यों' तथा समाज के कार्यकर्ताओं को साल, श्रीफल व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि गुरू घासीदास की सुपुत्री सहोदरा माता के पावन धाम डुम्हा भंडारपुरी में दो दिवसीय झांकी दर्शन मेला का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। कार्यक्रम में गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के महासचिव डॉ. जेआर सोनी, सुंदरलाल जोगी, डीएस पात्रे, चेतन चंदेल, जी आर बाघमारे, पं. अंजोर दास बंजारे, आरंग जनपद अध्यक्ष खिलेश देवांगन, ग्राम की सरपंच कांति ध्रुव, उप सरपंच लक्ष्मण देवान, आयोजन समिति की ओर से पवन कुर्रे, संजय कुर्रे, प्राणदास देवान, अमित देवान, दिनेश चेलक, सुखचंद सतनामी, जितेंद्र राय, दीवाकर भास्कर, मिथिलेश देवान, बिंदिया रानी कुर्रे, चंपा कुर्रे सहित बड़ी संख्या में आसपास के ग्रामीण व समाज के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

श्रीराम कलेक्शन
बच्चों के आकर्षक रेडिमेड वस्त्रों के विक्रेता
जवाहर मार्केट केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
789805563, 9827178585

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

श्री सांई जींस कॉर्नर
ओम सांई कलेक्शन
▪ मेन्स वेयर ▪ किड्स वेयर
▪ लेडिस वेयर ▪ वेडिंग कलेक्शन
9827115003, 9806303000
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
	फुल	हाफ
वेज मोमोस	40/-	20/-
मन्चुरियन मोमोस	50/-	30/-
पनीर मोमोस	60/-	30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

नाकोड़ा साड़ी सेंटर
एक्सक्लूसिव साड़ी शोरुम
फैंसी साड़ी, वैवाहिक साड़ियां डिजाईनर साड़ियां एवं सलवार सूट, लांचा
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मार डारे मया मा' से 3 साल बाद वापसी कर रहे हैं अनुज शर्मा

छत्तीसगढ़ी गानों पर रील्स बनाने का युवाओं में बढ़ा क्रेज

इन दिनों इंटरनेट मीडिया पर युवा छत्तीसगढ़ी गानों पर काफी रील्स वीडियो बना रहे हैं। छत्तीसगढ़ी फिल्म के लोकप्रिय अभिनेता अनुज शर्मा के गानों को लेकर इन दिनों युवाओं में दीवानगी छाई हुई है। लड़कियां हों या लड़के सैकड़ों किमी दूर से आकर रील्स बना रहे हैं। बहुत से युवा तो बाइक से लंबा सफर तय करके रील्स बनाने के लिए रायपुर आ रहे हैं। अभिनेता शर्मा ने बताया कि उनकी आने वाली फिल्म मार डारे मया मा के गानों पर युवा रील्स बना रहे हैं। इसकी दीवानगी यह है कि कोई बिलासपुर, भानुप्रतापपुर समेत राज्य के शहरों, गांवों से ही नहीं, बल्कि नागपुर से भी युवा राजधानी आकर अभिनेता के साथ रील्स बना रहे हैं और यार-दोस्तों को शेयर कर रहे हैं। अनुज ने बताया कि युवाओं की दिलचस्पी इतनी है कि वे तीज-त्योहार पर भी आ रहे हैं। बिलासपुर की रहने वाली एक लड़की होलिका दहन के दिन देर रात अनुज शर्मा के घर पहुंच गईं। इस बीच अनुज भी चिंतित हो गए। क्योंकि लड़की खुद ही स्कूटी चलाती हुई रायपुर आई थी। अंत में अनुज ने मार डारे मया मा के गाने फुल हासन लागे..., घेरी-बेरी गाने की रील्स बनाई।

छत्तीसगढ़ी फिल्मों के एक्टर अनुज शर्मा के गानों को लेकर इन दिनों यंगस्टर्स के बीच अच्छी खासी दीवानगी है। उनकी अपकमिंग मूवी मार डारे मया मा.. का फुल हासन लागे... गाना यूट्यूब पर 3 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। अब सोशल मीडिया पर युवा इस फिल्म के गानों पर रील्स बना रहे हैं।

सोशल मीडिया पर शॉर्ट वीडियोज की दीवानगी और एक्टर अनुज शर्मा का क्रेज कुछ इस कदर छाया हुआ है कि एक लड़की तो बिलासपुर से रायपुर स्कूटी चलाकर पहुंच गई। निधी खुराना नाम की ये लड़की एक्टर अनुज शर्मा के घर जा पहुंची और कहा- मुझे आपके साथ रील्स बनानी है। ये देखकर एक्टर भी हैरान रह गए। जब लड़की इनके घर आई तो शाम हो चुकी थी। एक्टर ने युवती से कहा कि वो अब रात में न लौटें उनके घर पर ही रुक जाए। तब लड़की ने बताया कि रायपुर में उनके कुछ रिश्तेदार रहते हैं। तो अनुज सहज हुए। इसके बाद युवती ने रील्स बनाई।

अनुज की अपकमिंग मूवी को लेकर छत्तीसगढ़ के युवाओं में ऐसा क्रेज है कि कुछ लोग कांकेर और नागपुर से भी आकर एक्टर संग रील्स बना रहे हैं। जल्द ही अनुज शर्मा बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। कोविड काल के बाद बड़े स्तर पर कोई छत्तीसगढ़ी मूवी रीलीज होने जा रही है। रीजनल सिनेमा लवर्स इसे लेकर एक्साइटेड हैं। फिल्म के फुल हासन लागे और घेरी-बेरी गाने वायरल हो चुके हैं।

फिल्म के सेट पर दूसरों को देने पड़ती थी चीजें

8 अप्रैल को अनुज शर्मा की फिल्म रिलीज होगी। करीब 35 दिनों तक इसे शूट किया गया। ये फिल्म रायपुर धमतरी के कई हिस्सों में फिल्माई गई है। इसमें एक्शन सींस पर भी काफी काम किया गया है जो साउथ या बॉलीवुड के ट्रेंडिंग सींस की तरह लगेंगे। शूट के दौरान हुए दिलचस्प वाक्ये को याद करते हुए अनुज शर्मा ने बताया कि वो अपने घर से अक्सर, जैकेट, शर्ट, चश्मे वगैरह पहनकर जाते थे। वहां हिरोइन से लेकर सेट पर मौजूद किसी न किसी व्यक्ति को वो चीजें बड़ी पसंद आ जाती थी और अनुज को वो चीजें उन्हें उपहार के तौर पर देनी पड़ती थीं।

मार डारे मया मा फिल्म के मुख्य कलाकार अनुज शर्मा और लिप्सा मिश्रा हैं। सिनेमा घरों में 3 साल के बाद अनुज शर्मा एक बार फिर बड़े बजट की फिल्म के साथ वापसी कर रहे हैं। सुनील सोनी और नावलदास मानिकपुरी ने छत्तीसगढ़ी लोक धुनों से इंस्पायर होकर फिल्म का म्यूजिक तैयार किया है। फिल्म की कहानी सिद्धार्थ सिंह, पटकथा मनीष मानिकपुरी और संवाद गिरवारदास मानिकपुरी ने लिखे हैं। इस फिल्म में पुष्पेंद्र सिंह, अंजली चौहान, सुनील तिवारी, पुरन किरी, क्रांति दीक्षित, ज्योत्सना, सतीश जैन, मनोज वर्मा, अमित शर्मा, राजेश पाण्ड्या, प्रदीप शर्मा, जैसे कलाकर भी दिखेंगे।

जो आदमी लड़की के लिए लड़ा नहीं, उसने जिंदगी में कुछ किया ही नहीं: विद्युत जामवाल

विद्युत जामवाल एक्शन रियलिटी शो इंडियाज अल्टीमेट वॉरियर होस्ट कर रहे हैं। विद्युत ने अपना एक्शन हीरो फिल्म्स नामक प्रोडक्शन हाउस भी खोला है।

इंडियाज अल्टीमेट वॉरियर होस्ट करने का मेन मकसद क्या रहा?

इसे होस्ट करने का मेन मकसद यही रहा कि इंडिया का अल्टीमेट वॉरियर ढूंढ़ा जाए। एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी कि क्या उस आदमी में क्षमता है, क्या औरत में क्षमताएं हैं, जो उसे इंडिया का अल्टीमेट वॉरियर बनाता और बनाती है। लोगों के अंदर उन क्षमताओं को देखने का बहुत मजे का काम था., क्योंकि उनको भी नहीं पता था कि उनमें क्षमताएं हैं। एक जिम्मेदारी यह थी कि इन्हें कैसे ढूंढ़ा जाए।

एक्शन से लगाव कब और कैसे हुआ

पहली बात जो एक्शन करता है, वह रोमांस करेगा ही करेगा। लड़की के लिए जो आदमी लड़ा नहीं, उसने जिदंगी में क्या किया। हर आदमी एक्शन करता है, पर पता नहीं लगता है। रील में अभी खुदा हाफिज का दूसरा हिस्सा आ रहा है। उसमें देखेंगे कि एक आदमी प्यार में किस हद तक चला जाता है। अगर उसे किसी से प्यार होता है, तब वह मां, बहन, भाई आदि कोई भी हो। अगर उनके साथ कुछ हुआ है, तब एक इंसान किस पागलपन तक जा सकता है। आई थिंक, वही एक्शन भी है।

आप रोमांटिक रोल करना पसंद करेंगे?

खुदा हाफिज का अभी दूसरा भाग खत्म किया है। उसका क्लाइमैक्स एक्शन फॉर्म में था, जो बहुत उम्दा एक्शन चाहिए। क्योंकि क्लाइमेक्स तक एक्शन बहुत बढ़ गया था। फारुख कबीर के साथ मिलकर डिसाइड किया कि फिर से एक बार कोरियोग्राफर की जाए ताकि मैंने जो कुछ किया है, उसके अलावा कुछ अलग दिखाया जाए। कोरियोग्राफी करके मजा आता है, क्योंकि मैं जो करता हूं, उसे कोई कर नहीं पाता है। जब कोई कर ही नहीं पाता है, तब मुझे कैसे बताएगा कि अब ऐसा कीजिए। इसीलिए मुझे कई बार कोरियोग्राफर बनना पड़ता है और इसे करने में मजा आता है।

आप खुद को पॉजिटिव कैसे रखते हैं?

मैंने देखा है कि अगर किसी चीज को दूर भगाना चाहते हैं, तब वह आपके ज्यादा नजदीक आती है। मैं लोगों से मिलता हूं, तब कुछ कहते हैं कि मेरे ऑफिस में बहुत निगेटिविटी है, मैं क्या करूं, मुझे स्ट्रेस है? आप स्ट्रेस और निगेटिविटी के बारे में इतना सोचिए मत। दस में दो लोग तो पॉजिटिव होंगे। आपको लगता है कि जो पॉजिटिव हैं, उनके साथ जुड़िए। जिनमें क्षमता हो, उनके साथ समय बिताइए। आई थिंक, निगेटिविटी से दूर रहने का यही एक तरीका है। मंडे को निगेटिव न्यूज नहीं छापते, तब बाकी के पेपर मत पढ़िए। सिर्फ वही पढ़िए, जिसमें पॉजिटिव बातें हैं। अगर आपका पॉजिटिव होने का मन है, तब पॉजिटिव कीजिए। निगेटिव होने का मन है, तब निगेटिव बातें सुनिए। गीला होना है, तब पानी में जाइए। सूखना है, तब धूप में जाइए। सब कुछ आपके हाथ में है।

काला हिरण शिकार मामले में सलमान खान को राहत, ट्रांसफर पिटीशन मंजूर

एक्टर सलमान खान को काले हिरण शिकार मामले में राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सलमान खान की ट्रांसफर पिटीशन पर हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच ने सुनवाई की। ऐसे में अब हाईकोर्ट में सलमान खान से जुड़ी सभी याचिकाओं की सुनवाई होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बॉलीवुड एक्टर की बहन अलवीरा उनके साथ मौजूद रहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जोधपुर के कांकाणी गांव में 1 अक्टूबर 1998 को काला हिरण का शिकार हुआ था। इस मामले में सलमान खान के अलावा सैफ अली खान, नीलम, सोनाली बेंद्रे, तब्बू और दुष्यंत सिंह आरोपी थे। लेकिन कोर्ट ने सलमान खान को छोड़कर सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

द कश्मीर फाइल्स: ऐसी कहानियां दोबारा नहीं लिखी जातीं: अजय देवगन

अजय देवगन, अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म रनवे 34 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में अजय देवगन एक बार फिर से निर्देशक की कुर्सी पर बैठे हैं। फिल्म का ट्रेलर फैंस को काफी पसंद आया है। हाल ही में अजय देवगन ने निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स को लेकर रिएक्शन दिया है। अजय देवगन ने कहा है कि कुछ कहानियां इतनी इंस्पिरेशनल और अमेजिंग होती हैं कि वैसा फिक्शन आप दोबारा नहीं लिख सकते हैं।

अजय देवगन की फिल्म रनवे 34 के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर पत्रकारों ने अजय देवगन से सवाल किया कि- क्या दर्शकों को अट्रैक्ट करने के लिए द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनाना बेस्ट आइडिया है? तब अजय ने कहा- नहीं, ऐसा नहीं है, ये सिर्फ हिंदुस्तान में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में है। अजय ने आगे कहा- मैंने पहले भी फिल्में की हैं, 'लेजेंड ऑफ भगत सिंह' ये सब कहानियां इतनी इंस्पिरेशनल होती हैं कि आप वैसा फिक्शन दोबारा नहीं लिख सकते।

अभिनेता ने आगे कहा कि आइडिया ये नहीं होता कि आप कोई सच्ची कहानी ढूंढो, जब आप कोई स्क्रिप्ट सुनते हैं न तो लगता है कि ये काफी अलग था और ये दुनिया के सामने आना चाहिए। नहीं तो ऐसी तमाम कहानियां हैं, जिन्हें हम चुनते हैं और बनाते हैं।

अजय देवगन की फिल्म रनवे 34 भी एक सच्ची घटना पर आधारित है। साल 2015 में जब एक जेट एयरवेज के पाइलट ने एक फ्लाइट को बेहद खराब मौसम के बीच भी लैंड करा दिया था। वह फ्लाइट दोहा से कोची जा रही थी। अजय देवगन की ये फिल्म 29 अप्रैल को ईद के मौके पर रिलीज होगी।

'सेल्फी' में नजर आएंगी नुसरत भरुचा और डायना पेंटी

अक्षय कुमार और इमरान हाशमी पहली बार 'सेल्फी' में साथ काम करते नजर आएंगे। हैंडसम हंक्स ने अब नुसरत भरुचा और डायना पेंटी का अपनी टीम में स्वागत किया है। अक्षय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है। जिसमें अभिनेता फिल्म की स्क्रिप्ट पकड़े हुए कार की पिछली सीट पर बैठे नजर आ रहे हैं। इसके बाद वे सेल्फी सॉन्ग पर नासमझ डांस करते नजर आ रहे हैं।

रूस ने हॉलीवुड का बायकॉट किया

रूस में प्रभास की राधे श्याम दिखाई जा रही, बॉलीवुड के अलावा एशियन और कोरियन सिनेमा पर फोकस

यूक्रेन युद्ध की वजह से हॉलीवुड के कई स्टूडियोज ने रूस में अपनी फिल्में की रिलीज को रोक दिया है। रूस ने हॉलीवुड के इस फैसले की काट के तौर पर अपने यहां बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर मूवीज को दिखाने का फैसला किया है। रूस के वेडोमोस्टी अखबार के मुताबिक रूस सिनेमा नेटवर्क अब बॉलीवुड, एशियन, लैटिन और कोरियन फिल्मों को दिखाएगा।

रूस में महंगाई बढ़ी, पर टिकटों के दाम नहीं

रूस के बॉक्स ऑफिस पर फॉरेन सिनेमा का 75 प्रतिशत का हिस्सा है। सिनेमा चेन के अधिकारियों के मुताबिक इस डिसीजन के दो कारण हैं। पहला सिनेमा देखना रूसियों के बीच सबसे पापुलर एक्टिविटी में से एक है। सिनेमा एक्सपर्ट एलेक्सी वास्यासिन का कहना है कि रूस में प्रोजेक्टर लैंप और दूसरी चीजों के दामों की कीमत 80प्रतिशत बढ़ गई है। हालांकि, इसके बावजूद टिकट को सस्ता रखने की कोशिश कर रहे है। रूस के पांच बड़े सिनेमा नेटवर्क्स का कहना है कि टैक्स में बढ़ोतरी के बाद भी फिल्मों की टिकट में बढ़ोतरी नहीं होगी। इसके अलावा सिनेमा हॉल में मिलने वाली खाने-पीने की चीजों के दाम नहीं बढ़ाए जाएंगे। रूस के तीन सिनेमा चेन ने हाल ही में बॉलीवुड स्टार प्रभास की फिल्म राधे श्याम की भी स्क्रीनिंग की थी, जिसके सारे शो हाउसफुल रहे।

डिज्नी और फिल्म फेस्टिवल्स ने किया रूस का बायकॉट

हॉलीवुड से डिज्नी और नेटफ्लिक्स जैसे बिग सिनेमा हॉउस रूस में अपनी फिल्मों की स्क्रीनिंग रोक चुके हैं। इसके अलावा वॉर्नर ब्रदर्स ने अपनी फिल्म 'द बैटमैन' को रिलीज करने से मना कर दिया था। वहीं कांस और एमी अवॉर्ड्स भी रूस का बायकॉट कर चुके हैं।

रूस का बॉलीवुड कनेक्शन

रूस का बॉलीवुड से पुराना नाता रहा है। भारत का सोवियत यूनियन से अच्छा रिश्ता हिंदी फिल्मों की वजह से ही रहा है। एक दौर ऐसा था जब दोनों देशों में एक साथ फिल्में बनती और रिलीज भी होती थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राज कपूर के जितने फैंस भारत में हैं उससे कहीं ज्यादा रूस में हैं। इसके साथ ही बॉलीवुड की फिल्में रूस में शूट होती आई है। हाल ही में रिलीज होने वाली फिल्म आरआरआर के कुछ सीन भी वहीं शूट किए गए हैं।

खास खबर

टीबी पर जागरूकता के लिए तेजी से हो रहा काम

दुर्ग। लोगों को जागरूक करने व टीबी बीमारी के रोकथाम के उद्देश्य से हर साल 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिले में टीबी जागरूकता हेतु विश्व क्षय दिवस से पूर्व टीबी प्रचार रथ को रवाना किया गया। इस प्रचार रथ का उद्देश्य टी.बी. के बचाव, इलाज व लक्षण एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्षय रोग से संबंधित सुविधाओं एवं उनके विस्तार की जानकारी देना। इस प्रचार रथ को डॉ. जे.पी मेश्राम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग, डॉ. अनिल कुमार शुक्ला जिला क्षय अधिकारी, एवं एनटीईपी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इसी क्रम में जिले में टीबी जागरूकता हेतु कार्यक्रम किया जाएगा। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर 22 मार्च 2022 को प्रात: 8 बजे जिला क्षय नियंत्रण केंद्र प्रांगण से लगभग 200 लोगो के द्वारा जिसमें एम.जे कॉलेज के छात्र, सभी एनजीओ के सदस्य समस्त टीबी/एचआईव्ही के स्टॉफ के साथ रैली का प्रारंभ किया जाएगा। रैली में नारों एवं पाम्पलेट के माध्यम से लोगों में जनजागरूकता लाने हेतु प्रयास किया जाना है।

जन चौपाल में मिले 25 आवेदन, कलेक्टर ने दिये त्वरित निराकरण के निर्देश

गरियाबंद। प्रत्येक सप्ताह सोमवार को आयोजित जन चौपाल में कलेक्टर नम्रता गांधी ने प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण के निर्देश दिये है। उन्होंने ग्राम रावनडिग्गी में सी.सी रोड़ एवं पेयजल की उपलब्धता के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। ग्रामीणों के आवेदन पर पी.एच.ई विभाग को पेयजल हेतु कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये। ग्राम कोसमी (द) में भी पानी टंकी का कार्य जारी है। यहां प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में महतारी एक्सप्रेस की मांग पर स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये गये है। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदन के संबंध में पेंशन प्रकरण के लिए सभी जनपद सीईओ को आवश्यक निर्देश देते हुए जनपद स्तर पर ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रकरणों का निराकरण के निर्देश दिये। जन चौपाल में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधुबाला रात्रे एवं सरपंच जामगांव ने अपने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन दिया। ग्राम खम्हारी पारा के वार्ड नंबर 12 में गली रास्ता को कब्जा किया गया है जिसे हटाने बाबत आवेदन दिया गया तथा ग्राम के ही देवराम द्वारा विगत 30 वर्षों से काबिज भूमि की पट्टा दिलाने, ग्राम कसेरु के डोगेश्वर सिन्हा द्वारा शौचालय निर्माण की राशि प्रदाय , ग्राम पथराझोरकी द्वारा पुलिया निर्माण की मांग, ग्राम पंडरीपानी में अतिवृष्टि से हुए मकान क्षतिपूर्ति का उचित मुआवजा दिलाने आवेदन दिया गया।

डॉ खूबचंद बघेल महाविद्यालय में एक्सटेंशन लेक्चर सीरीज का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। डॉ खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई 3 के वाणिज्य विभाग के द्वारा एक्सटेंशन लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रीना मजूमदार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वाणिज्य के विभिन्न संख्यात्मक विषयों पर अंतर राज्य स्तर पर पांच दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।

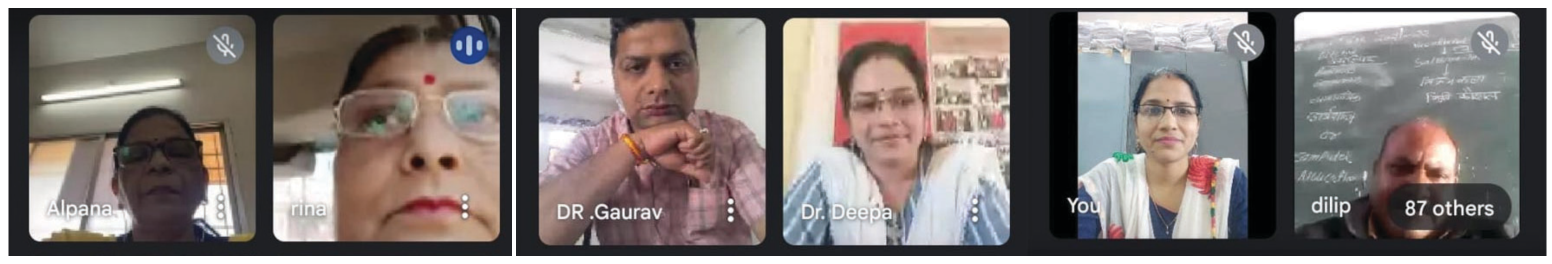

जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ मोना चौहान डॉक्टर कीर्ति श्रीवास डॉक्टर गौरव शर्मा दिलीप कुशवाहा एवं गोपाल यादव ने अपने व्याख्यान दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य से हुई प्रथम दिवस डॉ मोना चौहान सहायक प्राध्यापक वाणिज्य हीरालाल काव्योपाध्याय शासकीय महाविद्यालय अभनपुर ने व्यावसायिक सांख्यिकी विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया द्वितीय दिवस में डॉक्टर कीर्ति श्रीवास सहायक प्राध्यापक वाणिज्य हीरालाल काव्योपाध्याय शासकीय महाविद्यालय अभनपुर ने वित्तीय लेखांकन के अशुद्धियों का संशोधन विषय पर विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाइयों को दूर किया कार्यक्रम के तृतीय दिवस में डॉक्टर गौरव शर्मा सहायक प्राध्यापक वाणिज्य चंदूलाल चंद्राकर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पाटन ने निगमीय लेखांकन विषय पर अपना व्याख्यान दिया इसी कड़ी में चतुर्थ दिवस में दिलीप कुशवाहा सहायक प्राध्यापक वाणिज्य शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहगढ़ मध्य प्रदेश ने आयकर एवं करा करा धान की गणना पर होने वाली समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया कार्यक्रम के पांचवें एवं अंतिम दिवस में गोपाल यादव सहायक प्राध्यापक वाणिज्य शासकीय महाविद्यालय आरा जिला जशपुर ने व्यवसायिक गणित के विषय पर व्याख्यान दिया साथ ही बीकॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की गणित में होने वाली समस्याओं का बड़े ही रोचक ढंग से समाधान किया।

5 दिवस तक चलने वाले लेक्चर सीरीज के माध्यम से विद्यार्थियों की अनेक विषयों से संबंधित समस्याएं समस्याओं का समाधान किया गया एवं विभिन्न विषयों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई ताकि वार्षिक परीक्षा के ठीक पहले विद्यार्थियों को अध्ययन में आने वाली समस्याओं का आसानी के साथ हल मिल सके कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग कि विभागाध्यक्ष डॉक्टर अल्पना दुबे ने किया तथा कार्यक्रम के आयोजन एवं उसे सफल बनाने में डॉक्टर दीप्ति बघेल कुमारी सुषमा एवं समस्त महाविद्यालय परिवार की अहम भूमिका रही कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन द्वारा डॉक्टर नीलम गुप्ता द्वारा किया गया।

मंत्री टीएस सिंहदेव के विभागों के लिए 11,196 करोड़ रूपए से अधिक की अनुदान मांगे पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, वाणिज्यिक कर और 20-सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री टी.एस. सिंहदेव के विभागों के लिए कुल 11 हजार 196 करोड़ 82 लाख 98 हजार रूपए की अनुदान मांगे ध्वनिमत से पारित की गईं।

इनमें पंचायत तथा ग्रामीण विकास से संबंधित व्यय के लिए 3494 करोड़ 83 लाख 43 हजार रुपए, पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय सहायता के लिए 3472 करोड 98 लाख 91 हजार रुपए, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 2823 करोड़ 18 लाख 85 हजार रुपए, चिकित्सा शिक्षा विभाग से संबंधित व्यय के लिए 1108 करोड़ 93 लाख 51 हजार रुपए, वाणिज्यिक कर विभाग से संबंधित व्यय के लिए 293 करोड़ तीन लाख तीन हजार रुपए तथा 20-सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग से संबंधित व्यय के लिए तीन करोड़ 85 लाख 25 हजार रुपए की अनुदान मांगें शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस.

सिंहदेव ने विभागीय अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि घोषणा पत्र की कई बातों को पिछले तीन वर्षों में लागू किया गया है।

जो रह गया है उन्हें आने वाले समय में लागू करेंगे। इन्हें पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत बीपीएल राशन कॉर्डधारी परिवारों को सालाना पांच लाख रूपए तक के नि:शुल्क इलाज की पात्रता प्रदान कर इसके दायरे में आने वाले परिवारों की संख्या बढ़ाई गई है। आयुष्मान योजना के तहत एसईसीसी (स्श्वष्टष्ट) में शामिल प्रदेश के 39 लाख परिवार ही पांच लाख रूपए तक के इलाज के लिए पात्र थे। राशन कॉर्ड के आधार पर पात्रता तय करने से अब प्रदेश के 57-58 लाख परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है। सिंहदेव ने सदन में बताया कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत 14 चिन्हांकित बीमारियों के उपचार के लिए 20 लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसमें कुछ और बीमारियों को भी शामिल किया जा रहा है।

सिंहदेव ने विभागीय अनुदान मांगों पर चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार सुधार हो रहा है। कोरोना काल को छोड़कर वित्तीय वर्ष 2021-22 में ओपीडी इलाज के लिए प्रदेश भर में दो करोड़ 22 लाख पंजीयन हुए हैं। वहीं आईपीडी में औसतन प्रति माह 3580 पंजीयन हुए हैं।

कोरोना के इलाज के लिए अस्पतालों में व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। सभी जिला अस्पतालों में ऑक्सीजन सुविधा वाले 100-100 बिस्तरों के साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी ऑक्सीजन सुविधा वाले बिस्तरों का इंतजाम किया गया था। मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए प्रदेश में तेजी से ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना की गई। आज प्रदेश में 107 पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र हैं। कोविड-19 के प्रबंधन में 16 हजार मेडिकल स्टॉफ ने लगातार अपनी सेवाएं दी हैं। कोरोना की रोकथाम के लिए दवा खरीदी हेतु राज्य शासन द्वारा अपनाई गई नीति से 170 करोड़ रूपए की बचत हुई है।

सिंहदेव ने कहा कि अस्पतालों में मानव संसाधन को मजबूत करने 541 चिकित्सा अधिकारियों और 273 विशेषज्ञ चिकित्सों की भर्ती की गई है। इसके साथ ही एमबीबीएस डिग्रीधारी 1070 और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्रीधारी 247 अनुबंधित डॉक्टर भी सरकारी अस्पतालों में पदस्थ किए गए हैं।

स्पीच थेरेपी से बच्चे सीख रहे बोलना, हो रहा है लगातार सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार नगर की 10 वर्षीय सौम्या केसरवानी को बचपन से ही श्रवण बाधिता की समस्या थी। सौम्या की श्रवण क्षमता जन्म से ही 90त्न कम थी। इस बात को लेकर सौम्या के माता पिता हमेशा तनाव में रहा करते थे।

इस संबंध में सौम्या की माता-पिता योगेश एवं गायत्री केसरवानी ने बताया कि, जब सौम्या बहुत ही छोटी थी तब ही हमें यह ज्ञात हो गया था उसकी सुनने की क्षमता अत्यंत अल्प है । वह किसी आवाज इत्यादि पर प्रतिक्रिया नहीं देती थी । जब वह थोड़ी बड़ी हुई तो हमने उसे बिलासपुर में एक निजी अस्पताल में दिखाना शुरू किया और वहां से सुनने के लिए श्रवण यंत्र भी लिया ।

बाद में एक समान यंत्र समाज कल्याण विभाग द्वारा भी उन्हें प्राप्त हुआ था । क्योंकि छोटी बच्ची की सुनने की क्षमता ना के बराबर थी ऐसे में वह शब्दों को सीख ही नहीं पाई जिस कारण उसे बोलने में असुविधा होने लगी। इस स्थिति में निजी संस्थाओं में इलाज पर बहुत पैसा खर्च भी हुआ करता था। बाद में जिला अस्पताल बलौदा बाजार के स्पीच थेरेपी केंद्र में संपर्क करने पर सौम्या का उपचार शुरू हुआ उस समय सौम्या 7 वर्ष की थी। स्पीच थेरेपी के संबंध में सिविल सर्जन डॉ राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि जिला अस्पताल में स्पीच थेरेपी हेतु एक केंद्र कार्य कर रहा है इसके अंतर्गत विशेषज्ञों की देखरेख में बच्ची की ट्रेनिंग एवं थेरेपी शुरू की गई थी जिससे वह अधिक सहज जीवन जी सके। सौम्या के उपचार से जुड़ी ऑडियोलॉजिस्ट तृषा सिन्हा ने बताया कि इस तरह के लक्षण दिखने वाले बच्चों में बोलना, आँख से आंख मिलाना, उच्चारण पर ध्यान देना सिखाया जाता है। इसके बाद विभिन्न प्रकार की ध्वनि से बच्चों को रूबरू कराया जाता है और धीरे-धीरे शब्दों का उच्चारण सिखाया जाता है फिर सामान्य वाक्य और उसके बाद जटिल वाक्यों को बोलना सिखाया जाता है।पिछले 3 वर्षों की स्पीच थेरेपी लेने के पश्चात आज सौम्या पहले से बेहतर है और वह कई शब्दों का उच्चारण कर लेती है एवं उनके अर्थ भी समझ जाती है। सौम्या के उपचार में नाक ,कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ नेहा गंगेश्री ऑडियोलॉजिस्ट तृषा सिन्हा एवं सहायक श्रीमती गायत्री साहू और स्पीच इंस्ट्रक्टर विनोद देवांगन ने भी सहयोग किया ।

मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किए गए सीडीएस बिपिन रावत, बेटियों ने लिया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। रावत की पिछले साल दिसंबर में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। सीडीएस की ओर से उनकी बेटियों कृतिका और तारिणी ने पुरस्कार प्राप्त किया। बेटियों को आज राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से पुरस्कार मिला। भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ रहे जनरल बिपिन रावत की पिछले साल दिसंबर में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जनरल रावत की पत्नी मधुलिका रावत और रक्षा बल के 12 अन्य जवानों की भी मौत हो गई थी।

पद्म पुरस्कार, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक है और, यह तीन श्रेणियों, पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री में प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार विभिन्न विषयों / गतिविधियों के क्षेत्रों में दिए जाते हैं। पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में जनरल बिपिन रावत (मरणोपरांत) और कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद समेत कई हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में दो व्यक्तियों को पद्म विभूषण, आठ को पद्म भूषण और 54 को पद्म श्री पुरस्कार दिए गए। इनमें से, देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत और गीताप्रेस के अध्यक्ष राधेश्याम खेमका को मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान प्रदान किया गया।

पद्म भूषण पाने वालों में गुलाम नबी आजाद, पंजाबी लोक गायिका गुरमीत बावा (मरणोपरांत), टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन, पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक राजीव महर्षि, कोविड रोधी टीके 'कोविशील्ड' निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के प्रमुख साइरस पूनावाला और अन्य लोग शामिल हैं।

फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य पर केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाओं को किया सम्मानित

'कोंडानार' ब्रांड के नाम से आदिवासी महिलाएं करती हैं कृषि खाद्य उत्पादों का निर्माण और विपणन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले की आदिवासी महिलाओं को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर नई दिल्ली में सम्मानित किया गया है। कृषि खाद्य उत्पादों के निर्माण और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई के राज्यमंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने यह अवार्ड प्रदान किया।

एमएसएमई मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी- इनवेस्टमेंट एंड बिजनेस समिट कम अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां यह सम्मान महिला समूह की ओर से कलसल्टेंट सिद्धार्थ पांडेय ने ग्रहण किया। आदिवासी बहुल कोंडगांव जिले की महिलाओं ने उड़ान महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी बनाई है। ये कंपनी कोंडानार ब्रांड के नाम से कृषि खाद्य उत्पादों का निर्माण करती है और बेचती है। इस कंपनी में 10 बोर्ड ऑफ डायरेक्टर हैं। इसमें 30 से ज्यादा महिला स्वयं सहायता समूह जुड़े हुए हैं, जो अचार, चटनी, मिल्क शेक, कुकीज़, तीखुर, नारियल तेल सहित 30 से ज्यादा खाद्य सामग्री बनाने का काम करते हैं। कोंडगांव के कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने बताया कि इस कंपनी से 200 से ज्यादा आदिवासी महिलाओं को नियमित रोजगार सुनिश्चित हो गया है। यहाँ काम कर रही महिलाओं को हर महीने कम से कम 7500 रुपये वेतन मिलता है। उन्होंने बताया कि कोंडानार देश के साथ ही दुनिया में भी ब्रांड बन रहा है। दुबई एक्स्पो में भी कोंडगांव उड़ान के प्रोडक्टस को वर्चुयल प्लेटफॉर्म पर रखा गया था। अनेक देशों के लोगों ने प्रोडक्टस की जानकारी चाही।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिलाओं को अवार्ड मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि यहाँ की आदिवासी महिलाओं ने सोशल इंटरप्रेन्योर बन कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके समर्पण और लगन से पारंपरिक स्वाद को नई पहचान मिल गयी है। पिछले महीने रायपुर दौरे पर गए सांसद राहुल गांधी ने भी महिलाओं द्वारा बनाए गए कोंडानार खाद्य सामग्री का स्वाद लिया था, जिसमें उन्होंने तीखुर मिल्कशेक की काफी प्रशंसा की थी।

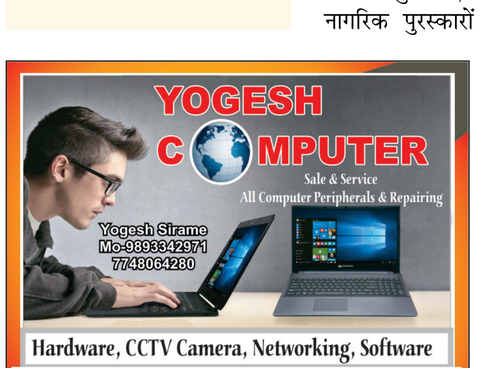

खास-खबर

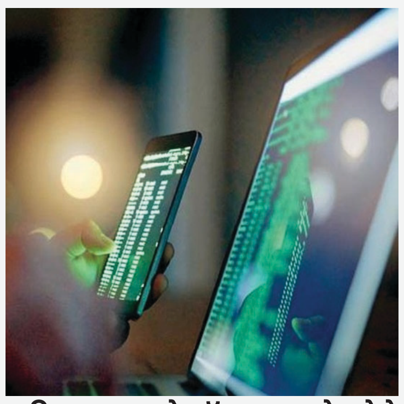

महिला डाक्टर से ऑनलाइन लोन देने के नाम पर लाखों की ठगी

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में महिला डाक्टर से एक लाख से ज्यादा की आनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। शिकायत पर टिकरापारा थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉ. श्रद्धा सिंह से ठगी की घटना हुई। डाक्टर ने बताया कि उनके द्वारा आनलाइन लोन एप के जरिए छोटे-छोटे लोन लिए थे। कुल अलग-अलग 20 ऑनलाइन लोन एप से पैसे लिए। इसके बाद एप के माध्यम से लोन चुका भी दिया गया। इसके बाद अज्ञात नंबर से डाक्टर और उनके रिश्तेदारों को फोन कर पैसे की मांग की जा रही। कुल एक लाख 16 हजार रुपये की ठगी की वारदात हुई है। जबकि 55 हजार रुपये का ऑनलाइन लोन लिया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात नंबर धारकों की तलाश शुरू कर दी है।

निगम ने 91.35 लाख रुपये वसूला राजस्व

रायपुर (ए)। नगर निगम का राजस्व अमला अवकाश के दिन भी बकाया राजस्व वसूली करने में जुटा हुआ है। 19 और 20 मार्च को शासकीय अवकाश होने के बाद भी शहर के सभी दस जोनों में 91.35 लाख रुपये की वसूली की गई है। 19 मार्च को 711 बकायेदारों से 51,76,758 रुपये, जबकि 20 मार्च को 609 लोगों से 39,59,150 रुपये वसूला गया।

जोन एक में 11,78,876, जोन-दो में 755750, जोन-तीन में 4,15,505, जोन चार में 8,76,005, जोन-पांच में 1012173, जोन छह में 6,22,395, जोन-सात में 1119811, जोन-आठ में 8,47,205, जोन-नौ में 14,36,246 तथा जोन 10 में 8,71,942 रुपये की राजस्व वसूली की गई है।

बात करने के लिए नहीं दिया मोबाइल तो मार दिया चाकू

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के उरला बाजार में बात करने के लिए फोन नहीं देने पर आरोपित ने एक व्यक्ति की कनपटी पर चाकू से हमला कर दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर उरला थाने में अपराध कायम किया गया। प्रार्थी अरविंद यादव द्वारा सोमवार को रिपोर्ट लिखाई गई। रिपोर्ट के अनुसार वे रविवार को सब्जी खरीदने के लिए अपने दोस्त महेश राजभर के साथ गया था। मछली मार्केट उरला बाजार के पास वह अपने मोबाइल से मुकेश तिवारी से बात कर रहा था। उसी दौरान आरोपित राजा पुरांडे व उसके अन्य साथी आए। उसका मोबाइल मांगा। मोबाइल फोन ना देने पर राजा उसके साथी नाराज हो गए। जिस पर राजा से ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद राजा ने प्रार्थी को जान से मारने की धमकी दी और अपने पास रखे चाकू से बाई कनपटी में पास मार कर घायल कर दिया। इस दौरान प्रार्थी का चैन कहीं गिर गया है। आरोपित घटना के बाद मौके से फरार हो गए, प्रार्थी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

विवाद सुलझाने गए पंच पर फरसे से हमला

चेहरे और गले पर किया वार, युवक को भी पीटा, 3 गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा (ए)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में दो पक्षों का विवाद सुलझाने गए पंच पर कुछ लोगों ने फरसे और डंडे से हमला कर दिया। वहीं अन्य लोगों को भी मारने के लिए दौड़ा दिया व एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। हमले में पंच को गंभीर चोटें आई हैं। हालत गंभीर देख उसे डॉक्टरों ने बिलासपुर रेफर कर दिया। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला मुलमुला थाना क्षेत्र में होली की रात का है।

जानकारी के मुताबिक, सिल्ली गांव निवासी पिंटू पटेल, ओम प्रकाश और रोहित राज 18 मार्च की रात करीब 9.30 बजे चंडी मंदिर के पास चबूतरे पर बैठकर बातें कर रहे थे। तभी शिव डिगस्कर पहुंचा। आरोप है कि उसने आते ही गालियां देनी शुरू कर दी और कहा कि बड़ा गुंडा बनने की कोशिश कर रहे हो। इतना कहते हुए पिंटू पटेल के मुंह पर घूंसा मार दिया। इसके चलते उसके नाक और मुंह से खून बहने लगा। यह देख तीनों वहां से भाग निकले।

तीनों ने इसकी जानकारी पंच मानू पटेल उर्फ रामरतन को दी। अभी वह समझाने के लिए जाने वाला था कि उसी समय शिव डिगस्कर, चित्रेस व गंगाराम उर्फ करिया वहां आ गए और मारपीट करने लगे। यह देख मानू पटेल ने बीच-बचाव किया तो आरोपियों ने फरसा से उसके गले और चेहरे पर वार कर दिया। जिसके चलते मानू वहीं लहूलुहान हो बेहोश होकर गिर पड़ा। आरोपियों ने धनंजय पटेल की भी डंडे से पिटाई की। इस पर वहां मौजूद अन्य लोग भाग निकले।

पिंटू ने मानू के घर में सूचना दी। जिसके बाद परिजन उसे लेकर पामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन हालत गंभीर देख उसे बिलासपुर रेफर कर दिया गया। इसके बाद धनंजय ने आरोपियों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई, लेकिन सभी भाग निकले। पुलिस ने सोमवार को तीनों आरोपियों शिव डिगस्कर, चित्रेस और गंगाराम उर्फ करिया को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया है।

थाने में हेड कॉन्स्टेबल ने दी जान

मालखाने में प्रभारी का फांसी पर लटका मिला शव

कोंडागांव (ए)। कोंडागांव में शनिवार देर रात एक हेड कॉन्स्टेबल ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसका शव थाने के ही मालखाने में फंदे से लटका मिला। कॉन्स्टेबल का बेटा जब उसे ढूंढते हुए थाने पहुंचा तो घटना का पता चला। साइड के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा कर मर्ग दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, कोंडागांव पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल टेकराम ध्रुव की ड्यूटी मालखाने में लगी थी। वह मालखाने के प्रभारी भी थे। रविवार दोपहर करीब 12 बजे टेकराम ड्यूटी खत्म कर घर पहुंचे। इसके बाद शाम करीब 7 बजे किसी काम के लिए जाने की बात कहकर घर से निकल गए। इसके बाद वह नहीं लौटे। जब देर रात तक टेकराम घर नहीं आए तो बेटा उनकी तलाश में निकला। बेटे ने आसपास पता किया, लेकिन जानकारी नहीं मिली तो वह थाने पहुंच गया। वहां थाना परिसर में ही टेकरासम की बाइक खड़ी थी। इस पर उसने थाने में जानकारी जुटाई, तो किसी ने भी टेकराम को नहीं देखने की बात कही। फिर पुराने थाने की बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर पर बने मालखाने में उन्हें तलाश करने पहुंचे, तो देखा कि कमरे में फांसी से शव लटक रहा था।

एक दिन पहले रायपुर में कॉन्स्टेबल ने किया था सुसाइड

इससे एक दिन पहले ही रायपुर में भी आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के कॉन्स्टेबल ने फांसी लगाकर जान दे दी थी। गंज थाने के पास बने पुलिस क्वार्टर के कमरे में उसका शव पंखे से लटका मिला था। 29 साल के कॉन्स्टेबल रविंद्र पाटले की दो दिन बाद ही शादी तय होनी थी। वह आर्थिक अनियमितता की शिकायत पर जांच और कार्रवाई में अफसरों की टीम में शामिल रहता था।

मुफ्त फिल्म नहीं दिखाने पर टूरिंग टॉकीज में तोड़फोड़

धार्मिक मेले में कर्मचारियों से मांगे रुपए, नहीं देने पर जमकर पीटा

जांजगीर (ए)। छत्तीसगढ़ के धार्मिक मेले में मुफ्त फिल्म नहीं दिखाने पर बदमाशों ने एक टूरिंग टॉकीज में तोड़फोड़ कर दी। बदमाशों ने बैनर फाड़ दिए और वहां रखीं कुर्सियां भी तोड़ डाली। इस दौरान शराब के लिए रुपए नहीं देने पर कर्मचारियों को भी बुरी तरह से पीटा गया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची, लेकिन उससे पहले ही बदमाश भाग निकले। टूरिंग टॉकीज संचालक की ओर से सोमवार देर शाम 3 नामजद सहित कई लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।

जानकारी के अनुसार, पामगढ़ क्षेत्र के ससहा गांव में लीलागर नदी के तट पर हर साल 15 दिवसीय धार्मिक मेला लगता है। इस साल भी यह मेला लगा हुआ है। इस मेले में श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए अलग-अलग संसाधन होते हैं। उसी में शंकर सिनेमा नाम का टूरिंग टॉकीज भी आया हुआ है। जहां लोगों को फिल्म दिखाई जाती है। इस टूरिंग टॉकीज में रविवार रात ससहा निवासी रजक खान, चेतन साहू, दीपक साहू अपने कुछ साथियों के साथ पहुंचे।

आरोपियों ने टॉकीज के कर्मचारी गोपाल सांडे और सनत बंजारे से मुफ्त में फिल्म देखने की डिमांड की। साथ ही शराब के लिए पैसे मांगे। इस पर कर्मचारियों ने मना कर दिया। इसके बाद आरोपी भड़क गए और उन्होंने टॉकीज में तोड़फोड़ कर दी। कर्मचारियों ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो उनको भी पीटा। इसके चलते टूरिंग टॉकीज संचालक सुभाष बंजारे को काफी नुकसान हुआ है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

शराब पीने के लिए रुपये न देने पर युवक पर कटर से हमला

भिलाई। खुर्सीपार में तीन बदमाशों ने शराब पीने के लिए रुपये न मिलने पर एक युवक पर कटर से हमला कर दिया। घायल युवक के पिता की शिकायत पर खुर्सीपार पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ चाकूबाजी की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस ने बताया कि जोन-3 खुर्सीपार निवासी शिकायतकर्ता सीताराम गोड़ ने घटना की प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता की पत्नी अपनी छोटी बेटी के साथ अपने मायके गंजपारा दुर्ग गई हुई है। शिकायतकर्ता अपने बड़े बेटे परमेश्वर ठाकुर उर्फ डेफिनेट के साथ घर पर रह रहा है।

19 मार्च की रात को शिकायतकर्ता ने अपने बेटे को खाना लेने के लिए खुर्सीपार गेट के पास होटल में भेजा था। वापस घर लौटते समय मछली मार्केट के पास आरोपित अमन उर्फ बनिया, गोलू उर्फ तोतरा और मछली नामक लडकों ने शिकायतकर्ता के बेटे रोका और उससे शराब पीने के लिए रुपये मांगे।

महिला मित्र के संग फिल्म देखने पहुंचे पति को पत्नी ने पकड़ा, सिनेमाघर के बाहर हुई मारपीट

भिलाई। रिसाली निवासी एक व्यक्ति शनिवार की रात को एक व्यक्ति अपनी महिला मित्र के साथ फिल्म देखने के लिए व्यंकटेश्वर टाकीज सुपेला पहुंचा था। उसी समय उसकी पत्नी, बेटा और साली फिल्म देखकर बाहर निकल रहे थे। व्यक्ति के बेटे ने उसे और उसके साथ पहुंची महिला को देख लिया। उसने अपनी मां को इसके बारे में बताया। इसके बाद महिला ने अपने पति से किसी और महिला के साथ फिल्म देखने जाने पर आपत्ति जताते हुए सवाल पूछा तो पति ने अपनी महिला मित्र के साथ मिलकर अपनी पत्नी की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद ये मामला सुपेला थाना तक पहुंचा। जहां पत्नी की शिकायत पर आरोपित पति व उसकी महिला मित्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि मैत्री कुंज रिसाली निवासी शिकायतकर्ता विभा सिंह शनिवार की शाम को अपनी बहन मिंटी सिंह और अपने बेटे भावेश सिंह के साथ फिल्म देखने के लिए व्यंकटेश्वर टाकिज सुपेला गए थे। रात में साढ़े आठ बजे फिल्म खत्म होने के बाद वे लोग सिनेमाघर से बाहर निकल रहे थे।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मंडल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 14.03.2022

(ई-प्रोक्योरमेंट बेरोजगार इंजीनियर निविदा सूचना)

(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से बेरोजगार स्नातक इंजीनियरों के लिए ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र ''अअ'' में प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु दिनांक 04.04.2022 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./सिस्टम क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
09/95484	जिला-बेमेतरा के पशु चिकित्सा परिसर में डी.आई. प्रयोगशाला का निर्माण कार्य	28.12

टीप:- 1. उक्त कार्य लोक निर्माण विभाग, बेमेतरा संभाग बेमेतरा का है।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब Portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष-0788-2210876

जी-68847/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

//निविदा आमंत्रण सूचना//

ज्ञाप क्र. 2431/नि.प्र. क्र.-17/लो.नि.वि./2021-22 दुर्ग, दिनांक 16.03.2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 25.03.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 07.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 08.04.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस में खोली जावेगी।

स.क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
(1) T0285	LT Line Shifting & Pole Shifting work at Utai to Machandur Road Distt. Durg.	19.89 Lacs
(2) T0286	11KV Line Shifting & Pole Shifting work at Utai to Machandur Road Distt. Durg.	3.68 Lacs
(3) T0287	11KV/33KV/LT Line Shifting & Electrification work at Distt. Bemetara.	18.69 Lacs
(4) T0288	11KV Line/LT Line Shifting & Pole Shifting work at Sarda Atargari, Budhajong Ranka Road (Near Atargari Basti) Distt. Bemetara.	5.80 Lacs
(5) T0289	11KV Line/LT Line Shifting & Pole Shifting work at Sarda Atargari, Budhajong Ranka Road (Near Jaung Basti) Distt. Bemetara.	6.05 Lacs
(6) T0290	11KV/33KV/LT Line Shifting & Electrification work at Distt. Balod.	17.94 Lacs
(7) T0291	11KV Line/LT Line Shifting & Pole Shifting work at Sarda Atargari, Budhajong Ranka Road (Atargari to Andu Road) Distt. Bemetara.	5.78 Lacs
(8) T0292	11KV Line/LT Line Shifting & Electrification at Sarda Atargari, Budhajong Ranka Road (Andu Basti) Distt. Bemetara.	4.85 Lacs
(9) T0293	11KV/33KV/LT Line Shifting & Electrification work at Distt. Kabirdham.	18.84 Lacs
(10) T0294	11KV/11KV Transformer DP/LT Line Shifting & Pole Shifting at Pipraldeeh Bargaon (Matiya) Mudpar Road (Bhaistan Mudpar Khurd to Kharun River) Distt. Bemetara.	7.71 Lacs
(11) T0295	11KV Line/LT Line Shifting & Pole Shifting at Pipraldeeh Bargaon (Matiya) Mudpar Road (Telga Road to Kospatar Road) Distt. Bemetara.	12.30 Lacs
(12) T0296	11KV/33KV/LT Line Shifting & Electrification work at Block Khairagarh Distt. Rajnandgaon.	17.88 Lacs
(13) T0297	11KV/11KV DP/LT Line Shifting & Pole Shifting at Pipraldeeh Bargaon (Matiya) Mudpar Road (Pipraldeeh Chowk to Near Kumhi Road) Distt. Bemetara.	9.20 Lacs
(14) T0298	11KV/33KV/LT Line Shifting & Electrification work at Distt. Rajnandgaon.	17.97 Lacs
(15) T0299	11KV/11KV DP/Transformer DP/LT Line Shifting & Pole Shifting at Rajkudi Bhimpuri Ughra Road Distt. Bemetara.	9.45 Lacs
(16) T0300	LT Line/11KV Line/Transformer DP Shifting & Electrification work at Ghotiya Chowk to Jhalmala Chowk Road Distt. Balod.	17.29 Lacs
(17) T0301	11KV/33KV/LT Line Shifting & Electrification work at Block Patan Distt. Durg.	18.98 Lacs
(18) T0302	LT Line/11KV Line Shifting & Electrification work at Ahibaran Nawagaon to Gheena Road Distt. Balod.	4.87 Lacs
(19) T0303	11KV/33KV/LT Line Shifting & Electrification work at Distt. Durg.	18.89 Lacs
(20) T0304	LT Line/11KV Line/Transformer DP Shifting & Electrification work at Gabdi to Deogahan Road Distt. Balod.	12.31 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्तें का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

टीप :- (1) The Tender forms will be issued only to the contractors having "A" class valid license from chief Electrical Inspector of C.G. Govt. and unified Registration system of C.G. Govt.
(2) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेंगा।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

जी-68851/5

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

आस्था का 16 वां निःशुल्क सामुहिक विवाह 27 को

भिलाई। आस्था बहुउद्देशीय कल्याण संस्था द्वारा अयप्प मंदिर में 27 मार्च को प्रात : 9 बजे सामुहिक विवाह का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर 151 जोड़ों का आदर्श विवाह सहमति से किया जा रहा है। इस आशय की जानकारी देते हुए संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश गेडाम ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रात 9 बजे विवाह समारोह का शुभारंभ करेंगे। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया के अतिरिक्त अरूण वोरा, देवेन्द्र यादव, नीरज पाल, धीरजबाकलीवाल श्रीमती शशि सिन्हा (महापौर), श्रीमती साधना सिंह उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामफ्ल शर्मा करेंगे। विशेष सलाहकार मनोज ठाकरे ने दोपहर 2 बजे द्वितीय सत्र की जानकारी देते हुए बताया कि विवाह समारोह संपन्न के दौरान मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह होंगे अध्यक्षता सांसद विजय बघेल करेंगे। विशेष अतिथि विष्णुदेव साय, प्रेमप्रकाश पाण्डेय, संतोष गोलछा, विद्यारतन भसीन, लाभचंद बाफ्ना, एमएम त्रिपाठी, राजेन्द्र खुराना, प्रभुनाथ मिश्रा, शंकर लाल देवांगन, सुरेन्द्र शर्मा, अरविंद गर्ग, ब्रजेश बिचपुरिया एवं राजीव चौबे होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ शुभारंभ

दुर्ग। दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलपति डॉ. एन.पी. दक्षिणकर के मार्गदर्शन में पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन दिनांक 21 से 27 मार्च तक ग्राम पुरई, जिला दुर्ग में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.एस.के. तिवारी के नेतृत्व एवं डॉ. ए.के. सांतरा गौठान नोडल अधिकारी की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ.ओसामा कलीम तथा डॉ. रैना दोनोरिया ने बताया कि शिविर में छात्र-छात्राओं द्वारा गांव में कोरोना से बचाव हेतु टीकाकरण कराने के लिए जागरूकता रैली निकाली जावेगी। इस शिविर में विद्यार्थियों द्वारा श्रमदान कर गांव की साफ-सफाई तथा उसका महत्व, वृक्षारोपण एवं मानव स्वास्थ्य परामर्श दिया जावेगा। इच्छुक ग्रामवासियों को बटेर पालन की जानकारी के साथ बटेर के चूजे भी उपलब्ध कराए जाएंगे। छात्र-छात्राओं द्वारा पशु स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से पशुओं का इलाज एवं रोग प्रतिबंधात्मक टीकाकरण किया जाएगा। यह शिविर विद्यार्थियों को अपने सामाजिक दायित्व को समझने में सहायक सिद्ध होगा। दिनांक 24 मार्च को स्वास्थ्य शिविर भी एन.एस.एस. के तत्वाधान में प्रस्तावित है, जिसे स्वास्थ्य विभाग, दुर्ग के सहयोग से किया जावेगा। शिविर के उद्घाटन अवसर पर अधिष्ठाता डॉ.एस. के. तिवारी ने एन.एस.एस. के छात्र- छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र की युवा शक्ति के व्यक्तित्व के विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज हित में कार्य करें।

डॉ. पतंजलि दीवान बने आयुर्वेद अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष

दुर्ग। छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ के पदाधिकारियों का चुनाव गत दिनों रायपुर में सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया केन्द्रीय पर्यवेक्षक डॉ. अश्विनी शर्मा एवं सह पर्यवेक्षक डॉ. जीपी दुबे के निर्देशन में सम्पन्न हुई। प्रांतीय प्रतिनिधि सभा सदस्यों की उपस्थिति में सत्र 2022-24 के लिए पदाधिकारियों का निर्वाचन किया गया।

जनता कांग्रेस पार्षद जोशी व कार्यकर्ताओं ने किया विधायक के समक्ष कांग्रेस प्रवेश

वोरा के साथ मुख्यमंत्री से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर जनता कांग्रेस के अध्यक्ष व पार्षद प्रकाश जोशी ने आज वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा और महापौर धीरज बाकलीवाल के समक्ष कांग्रेस पार्टी में प्रवेश कर लिया। जोशी के साथ शहर जनता कांग्रेस उपाध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव सहित दर्जनों जनता कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस प्रवेश किया है।

कांग्रेस प्रवेश के बाद पार्षद प्रकाश जोशी समेत अन्य कार्यकर्ता वोरा के साथ राजधानी गए, जहां वोरा के साथ सभी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल ने कांग्रेस प्रवेश करने वाले पार्षद प्रकाश जोशी सहित अन्य लोगों को बधाई दी है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पार्टी में प्रवेश करने वाले पार्षद प्रकाश जोशी समेत अन्य पदाधिकारियों का कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस को और मजबूत बनाने के लिए आम जनता के हित में काम करें। कांग्रेस के कार्यकर्ता होने के नाते वार्ड में जनता की सेवा करें। इस मौके पर विधायक कुलदीप जुनेजा, विकास उपाध्याय, मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी, दुर्ग के महापौर धीरज बाकलीवाल, एमआईसी मेंबर भोला महोबिया, राजकुमार नारायणी, युवा प्रदेश कांग्रेस के महासचिव संदीप वोरा, सुमीत वोरा मौजूद थे। बता दें कि प्रकाश जोशी दूसरी बार पार्षद चुने गए हैं। पहली बार निर्दलीय चुनाव जीतने के बाद उन्होंने जनता कांग्रेस में प्रवेश किया।

पिछले चुनाव में जनता कांग्रेस पार्टी से दूसरी बार चुनाव जीते। उनके साथ कांग्रेस प्रवेश करने वालों में दुर्ग शहर जनता कांग्रेस के उपाध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव, सुजीत चंदेल, दीपक देशलहरे, लुकेश्वर सोनी, स्वप्निल जैन, बालकिशन साहू, सिद्धू वर्मा, सूरज श्रीवास्तव, राकेश वर्मा, सुनील बंजारे, मनीष साकरे, राकेश सिन्हा,जफ्र खान, उमाशंकर जांगड़े, प्रेमसागर बघेल, दीपक खुटेल, निर्धन जोशी, दीपक देशलहरे, सुनील चंदेल, गणेश मांडले, अर्चना जोशी, सुषमा श्रीवास्तव, किरण वर्मा, पुष्पा चंदेल, प्रवीण कुमार, राखी टंडन, रोहन नायक, पीटर, भीम देशलहरे, चंचल किन्नर सहित अन्य जनता कांग्रेसी शामिल हैं।

पल्स पोलियो एवं कोरोना योद्धाओं का महापौर नीरज पाल ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेसी मेश्राम के आदेशानुसार राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सेक्टर 5 स्थित डोमशेड में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई निगम के महापौर नीरज पाल ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान, वैक्सीनेशन तथा कोरोना काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सम्मान समारोह कार्यक्रम में महापौर नीरज पाल ने उद्बोधन में कहा की काफी समय से कोरोना महामारी के समय से योद्धा के रूप में टीकाकर्मी अपना शत प्रतिशत सहयोग दे रहे हैं।

जनप्रतिनिधि के तौर पर स्वयं अनुभव कर यह महसूस किया है कि सभी ने पूरी तन्मयता से कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर पल्स पोलियों अभियान 2022 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ए.एन.एम. उमा ठाकुर व दो मितानिन पुष्पा व मंटो को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला प्रबंधक तुषार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में समस्त सुपरवाइजर, पुरुष स्वा. कार्यकर्ता, महिला स्वा. कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

कोरोना ने उधार के धंधे पर लगाई लगाम - सांखला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश सांखला एवं उद्योग चेंबर के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संजय चौबे ने कहा है कि कम मुनाफे में कैश का धंधा चलेगा, लेकिन अब उधार नहीं चलेगा। करोना काल के दौरान देशभर में कई व्यापारियों ने बड़े व्यापारियों के पैसे नहीं चुकाये एवं कोरोना के बहाने उधारी डुब गई है।

ऐसे में परेशान बड़े व्यापारियों ने छोटे व्यापारियों को उधार देना बंद कर दिया है। एक सर्वे के मुतबिक कोरोना का कहर पडने के बाद व्यापार तो फिर से शुरु हो गया, उधार देना बंद हो रहा। बड़े व्यापारियों की पुरानी उधारी अटकी हुई है, वे नई उधारी देने से रहे है, एवं छोटे को उधार नही मिलने की वजह से उनकी मुश्किलें बढ़ रही है। साँखला ने बताया कि कोरोना काल में देशभर में कई व्यापारियों ने उधार देने विशेषकर ज्वैलरी मार्केट में उधार देने की परंपरा पहले के मुकाबले एकदम कम हो गई है। आने वाले कुछ समय में यह बिलकुल बंद हो जायेगी।

क्योंकि कोई भी व्यापारी अपना माल उधार देकर छोटे व्यापारी से अपना पैसा वसुलने के लिए पीछे घूमने में समय बर्बाद करना नहीं चाहता। होलसेल एवं सेमी होलसेल के ज्यादातर व्यापारियों ने कम मुनाफे पर कैश में बिजनेस शुरु कर दिया है। बहुत से व्यापारियों ने ग्राहकों से विनम्रता से उधारबन्द कर दिया है,उधार देने के बाद हम आपके पीछे नहीं घुम सकते क्योंकि बैंक से लोंन लेकर अब व्यापारी उधार में किसी भी वे हाल में उधारी का बिजनेस नहीं करना चाहते।

तहसीलों में कोई भी प्रकरण अपंजीकृत न रहे, 31 तक लंबित प्रकरण निपटायें

रेवेन्यू मामले तेजी से निपटायें ताकि लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। तहसीलों में आने वाले सभी प्रकरण तुरंत पंजीकृत करें और इनके निपटारे की कार्रवाई अविलंब शुरू कर दें। एसडीएम सभी तहसीलों की मानिटरिंग करते रहें। इस दिशा में जिला स्तर से नियुक्त किये गये नोडल अधिकारी भी स्थिति की मानिटरिंग करते रहें। तहसीलदार यह देखें कि स्थानीय अमले द्वारा तेजी से मामलों का क्रियान्वयन किया जाए।

यह निर्देश कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के संबंध में मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी काम समयसीमा के भीतर हों। किसी तरह की परेशानी आवेदक को न हो, इसके लिए नियमित मानिटरिंग की जा रही है। आप लोग भी स्थानीय अमले का कार्य देखते रहें। इस संबंध में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि अविवादित मामलों में त्वरित कार्रवाई करने की जरूरत है।

इसमें किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो मामले काफी लंबे समय से लंबित हैं उन्हें भी निराकृत करने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जो पट्टे देने की योजना लाई गई है। उस पर तेजी से कार्य करें। इससे नागरिकों को बड़ी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि लोगों को उनके भूमि संबंधी अधिकार मिल पाएं ताकि इसके माध्यम से उन्हें भूमि के क्रय-विक्रय, बैंकिंग आदि विषयों में सुविधा हो सके। शासन की योजना का लाभ उठाने बड़ी संख्या में लोग आवेदन करेंगे। इनके निराकरण की दिशा में तेजी से कार्य किये जाने की जरूरत है। बैठक में कलेक्टर ने सभी नगरीय आयुक्तों से इस संबंध में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस योजना का पर्याप्त प्रचार-प्रसार भी करें ताकि अधिकाधिक लोगों को योजना की जानकारी हो सके और इसका लाभ उठा सकें। कलेक्टर ने बैठक में लंबित आवेदनों की तहसीलवार समीक्षा की। जिन राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों के निपटारे की दिशा में ढीली गति से कार्य हो रहा है।

बोरई में 25 ग्रामीणों ने निरस्त राशन कार्ड बहाल करने की मांग की

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बोरई के कुछ ग्रामीण आज कलेक्ट्रेट में जनदर्शन में पहुंचे। उन्होंने बताया कि यहां 25 ग्रामीणों के राशन कार्ड निरस्त किये गए हैं, इसे बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि मामले का निराकरण शीघ्र किया जाए ताकि किसी तरह की दिक्कत न हो। कलेक्टर ने फूड कंट्रोलर से आवेदन की समीक्षा कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में अवैध प्लाटिंग से संबंधित आवेदन भी आये। कलेक्टर ने संबंधित एसडीएम को ऐसे मामलों पर अविलंब कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनदर्शन में गौतम नगर वार्ड क्रमांक 9 के लोग भी पहुंचे। इन लोगों ने कहा कि गौतम नगर की आबादी 5000 है लेकिन यहां एक ही आंगनबाड़ी है। यदि एक और आंगनबाड़ी आरंभ हो जाये तो अभिभावकों के लिए काफी सुविधा होगी। अहिवारा की एक महिला ने कलेक्टर जनदर्शन में फरियाद की। उसने बताया कि वो पढ़ी लिखी नहीं है। ग्राम बोड़ेगांव के एक आदमी ने मुझे चेक देकर जमीन खरीदने का सौदा किया। मैंने सीमित क्षेत्र का सौदा किया था लेकिन उस व्यक्ति ने कूटरचना कर मुझसे धोखे से रजिस्ट्री करा ली। महिला ने अंधेरे में रखकर ऐसा सौदा कराने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कलेक्टर से की है। कलेक्टर ने इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी को मामले की जांचकर अविलंब कार्रवाई के निर्देश दिये। जनदर्शन में एक आवेदन वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित भी आया। कलेक्टर ने इस संबंध में समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि पहले भी वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित कुछ मामले आये थे, जिस पर कलेक्टर ने निगम आयुक्तों एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि एक बार वृद्धावस्था पेंशन वाले खातों की जांच कर लें। जिन खातों में तकनीकी दिक्कतों के कारण डीबीटी नहीं हो पा रहा है। उसे दुरूस्त कर लें। अवैध प्लाटिंग वाले मामलों पर कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई समयसीमा में हों।

डिफेंस की सबसे बड़ी परीक्षा एनडीए रिसाली के छात्र देवेंद्र साहू ने की उत्तीर्ण

जिला प्रशासन की कोचिंग को बड़ी सफलता

इंडियन नैवी में हुआ चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। डीएमएफ के माध्यम से 40 बच्चों की कोचिंग एनडीए के लिए जिला प्रशासन द्वारा आरंभ की गई थी। इसका बड़ा परिणाम आया है। डिफेंस की सबसे बड़ी परीक्षा मानी जाने वाली एनडीए की कठिन परीक्षा को रिसाली के छात्र देवेंद्र साहू ने उत्तीर्ण कर लिया है।

देवेंद्र ने कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे तथा डीईओ अभय जायसवाल से मुलाकात की और जिला प्रशासन को इस सफलता के लिए श्रेय देते हुए धन्यवाद दिया। कलेक्टर से चर्चा में देवेंद्र ने बताया कि एनडीए के लिए तैयारी करने के समय वो काफी कन्फ्यूज था। बहुत सी किताबें थीं, बहुत सा मटेरियल था। सौभाग्य यह हुआ कि इसी समय कोचिंग आरंभ हुई और कोचिंग में यह बताया गया कि क्या पढ़ना है क्या नहीं पढ़ना है। देवेंद्र ने बताया कि मेरी सफलता का श्रेय इस बात को है कि मुझे कोचिंग में पता चल गया था कि क्या पढ़ना सही होता है। फिर मेरी मुश्किल आसान हो गई, मैंने कड़ी मेहनत की और सफल हो गया। अब मैं पुणे जा रहा हूँ वहां से ट्रेनिंग के बाद समंदर में इंडियन नैवी में देश की रक्षा करूंगा। देवेंद्र अभी सत्रह साल के हैं। वे शकुंतला विद्यालय के छात्र हैं। उनके पिता प्राइवेट जाब में हैं और माँ हाउसवाइफहैं। उल्लेखनीय है कि कोचिंग सितंबर माह में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन में आरंभ हुई। इसके पीछे अपर कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना का भी बड़ा योगदान रहा। वे नियमित रूप से कक्षाओं की मानिटरिंग करती रहीं और समय-समय पर बच्चों को मोटिवेट भी करती रहीं। यह कोचिंग सेक्टर 6 में संचालित हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा ही देवेंद्र साहू को एसएसबी प्रशिक्षण के लिए देहरादून भेजा गया था। वहां से उसकी राह आसान होती गई। अभी एनडीए की द्वितीय बैच संचालित हो रही है। उल्लेखनीय यह भी है कि दुर्ग प्रदेश का पहला जिला है जहां एनडीए के लिए छात्राओं की कोचिंग भी सबसे पहले आरंभ हुई। सबसे पहले जब सुप्रीम कोर्ट ने छात्राओं को एनडीए प्रवेश की अनुमति दी।

उसके तुरंत बाद ही दुर्ग जिले में भी एनडीए की कोचिंग आरंभ हो गई। छात्रों के साथ छात्राएं भी कोचिंग कर सकेंगी। एनडीए की कोचिंग की व्यवस्था हो जाने और इसकी लगातार मानिटरिंग की वजह से इस क्षेत्र में सपने पूरे करने की दिशा में प्रतिभागियों की राह खुल गई है। उल्लेखनीय है कि अभी 15 विषय विशेषज्ञ नियमित रूप से कोचिंग की मानिटरिंग कर रहे हैं। इसके प्रभावी परिणाम आज देखने मिले हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950